सत्यमेव जयते

Annual Report 2012-2013

INTELLECTUAL PROPERTY
INDIA

THE OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF PATENTS, DESIGNS, TRADE MARKS AND GEOGRAPHICAL INDICATION

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE & INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL POLICY AND PROMOTION

सत्यमेव जयते

वार्षिक प्रतिवेदन 2012-2013

बौद्धिक सम्पदा
भारत

कार्यालय महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प, व्यापार चिह्न एवं भौगोलिक उपदर्शन

भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग

वार्षिक प्रतिवेदन 2012-13

कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प, व्यापार चिह्न एवं भौगोलिक उपदर्शन

अनुक्रमणिका

		पृष्ठ संख्या
अध्याय-I.	पूर्वावलोकन	03
अध्याय-II	बौद्धिक सम्पदा अधिकार की प्रवृत्ति - एक नजर	05
अध्याय-III	लोक सेवा प्रदान - दक्षता और पारदर्शिता	12
अध्याय-IV	एकस्व	15
अध्याय-V	अभिकल्प	35
अध्याय-VI	व्यापार चिह्न	41
अध्याय-VII	भौगोलिक उपदर्शन	51
अध्याय-VIII	एकस्व सूचना पद्धति एवं राजीव गांधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान	60
अध्याय-IX	प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं बर्हि-क्रियाकलाप	71
अध्याय-X	मानव संसाधन	73

अध्याय - I

पूर्वावलोकन

बौद्धिक सम्पदा सम्पन्नता के इंजन को ईंधन प्रदान करता है, आविष्कार और नवप्रवर्तन को प्रोत्साहित करता है तथा वह एक अमूर्त सम्पत्ति है जो सामाजिक-आर्थिक पारितंत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसका सृजन और संरक्षण राष्ट्र की अनवरत प्रगति के लिए अत्यावश्यक है। बौद्धिक सम्पदा अधिकार (आई पी आर) किसी देश की सार्वजनिक नीति उद्देश्यों के अनुसरण में रचनाकारों और आविष्कारकों को उनकी बौद्धिक सम्पत्ति के लिए संरक्षा प्रदान करता है। बौद्धिक सम्पदा अधिकार नई तकनीकों के सृजन, उनके संरक्षण, हस्तांतरण, नियामन और प्रसार को बढ़ावा देने के लिए अत्यावश्यक है। "ज्ञान के सामग्रीकरण" ने सम्पूर्ण विश्व की विभिन्न बौद्धिक सम्पदा अधिकार व्यवस्था में आमूल परिवर्तन ला दिया है। ज्ञान अब एक "कार्यनीतिक सम्पत्ति" बन गई है और इसके समुचित उपयोग से अत्यधिक धन अर्जित किया जा सकता है। अतः सामाजिक प्राथमिकताओं के अनुसार उपयुक्त तरीके से गढ़े गए बौद्धिक सम्पदा अधिकार किसी राष्ट्र के औद्योगिक विकास में प्रभावकारी शक्ति के रूप में कार्य करते हैं।

विगत दशक में भारत ने तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों जैसे भेषज, सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, नैनो टेक्नोलॉजी आदि में उत्कृष्ट दक्षता प्रदर्शित की है। भारत अपनी "मानव पूँजी" का दोहन कर धीरे-धीरे एक "नवप्रवर्तन फैक्ट्री" के रूप में परिवर्तित हुआ है। तकनीकी सक्षमता में इस निरंतर प्रगति के साथ भारत को विश्व अर्थव्यवस्था का प्रगेता के रूप में उभरने का पूर्वानुमान किया गया है।

इस विकास के अनुरूप आधुनिक आधारभूत संरचना, मानव संसाधनों के प्रवृत्तिकरण, उपयोक्ता सुलभ और सरलीकृत आवेदन प्रक्रिया और अद्यतन तकनीकों का उपयोग कर भारत के बौद्धिक सम्पदा अधिकार कार्यालयों का आधुनिकीकरण किया गया है। आधुनिकीकरण की इस प्रक्रिया की निरंतर समीक्षा और नवीकरण किया जाता है जिससे इन कार्यालयों द्वारा सेवा प्रदान करने में अधिकतम गुणवत्ता प्राप्त की जा सके।

कार्यालय, महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प, व्यापार चिह्न तथा भौगोलिक उपदर्शन, भारत सरकार, वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय के तहत औद्योगिक नीति व संवर्द्धन विभाग (डीआईपीपी) का एक अधीनस्थ कार्यालय है। एकस्व, अभिकल्प, व्यापार चिह्न तथा भौगोलिक उपदर्शन विधानों का प्रशासन कार्यालय महानियंत्रक द्वारा किया जाता है। यह अपने नियंत्रणाधीन बौद्धिक सम्पदा विधानों का प्रशासन इस प्रभावी तरीके से करता है जिससे देश में एक उचित और संतुलित बौद्धिक सम्पदा पारितंत्र का परिवेश सृजित किया जा सके। इसके अतिरिक्त नागपुर में स्थित एकस्व सूचना पद्धति (पीआईएस) तथा राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (आरजीएनआईआईपीएम) भी कार्यालय महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प, व्यापार चिह्न तथा भौगोलिक उपदर्शन के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन हैं।

बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों के संगठनात्मक चार्ट निम्नवत् हैं:

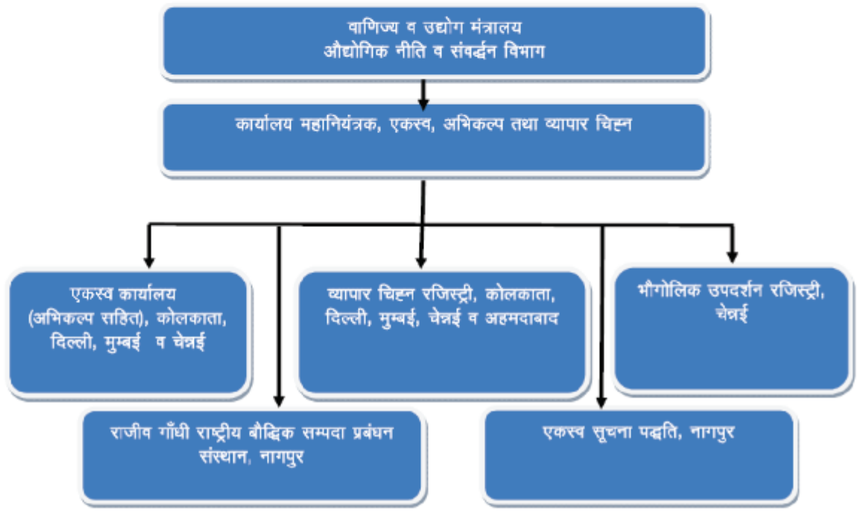

कार्यालय महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प तथा व्यापार चिह्न (सीजीपीडीटीएम) के नियंत्रणाधीन सभी कार्यालयों के प्रतिवेदन वर्ष के दौरान किए गए कार्यों के विस्तृत विवरण इस प्रतिवेदन के आगे के अध्यायों में दिए गए हैं। कार्यालय महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प तथा व्यापार चिह्न के अंतर्गत सभी कार्यालयों के राजस्व एवं व्यय के ब्यौरे तथा अन्य संबद्ध सांख्यिकी भी शामिल की गई है अद्यतन विधान, विभिन्न समारोहों के मुख्यांश और अन्य उपयोगी सूचना हमारे शासकीय वेब-साइट http://www.ipindia.nic.in पर उपलब्ध है।

(चैतन्य प्रसाद, भा.प्र.से.)
महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न

अध्याय - II

बौद्धिक सम्पदा अधिकार की प्रवृत्ति - एक नजर

कार्यालय महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प तथा व्यापार चिह्न (सीजीपीडीटीएम) के अधीन सभी कार्यालयों में बौद्धिक सम्पदा आवेदन दाखिल करने की दिशा में उर्ध्वगामी प्रवृत्ति पाई गई है। फलतः, कार्यालय में राजस्व उत्पादन में वृद्धि देखी गई है। इन गतिविधियों के विवरण नीचे प्रदर्शित है।

क. एकस्व : 2012-13 के दौरान **43,674** एकस्व आवेदन दाखिल किए गए। कार्यालय में विगत वर्ष की तुलना में आवेदन दाखिल करने में 1.10% की वृद्धि हुई है। दाखिल एकस्व आवेदन और अनुदानित एकस्व के संदर्भ में विगत पाँच वर्षों की प्रवृत्ति निम्नवत् है।

एकस्व आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13
दाखिल	36812	34287	39400	43197	**43674**
परीक्षित	10296	6069	11208	11031	**12268**
अनुदानित	16061	6168	7509	4381	**4126**
परीक्षण हेतु अनुरोध का निपटान	17136	11339	12851	8468	**9027**

2012-13 के दौरान आवेदन दाखिल करने की प्रवृत्ति में विगत वर्ष से आंशिक सुधार देखा गया है। इस अवधि के दौरान एकस्व कार्यालय ने 9027 आवेदनों का निपटान किया जिनमें से 4126 आवेदन एकस्व अनुदान हेतु अग्रसर हुए, **4544** परित्यक्त हुए और **357** आवेदनों को परीक्षण के बाद अस्वीकृत कर दिया गया। परीक्षित एकस्व आवेदनों की कुल संख्या 11.21 प्रतिशत प्रगति का सुधार प्रदर्शित करती है। समीक्षा अवधि के दौरान अनुदानित एकस्व की संख्या विगत वर्ष की तुलना में आंशिक कमी प्रदर्शित करती है, लेकिन उन एकस्व आवेदनों के निपटान में 6.4 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है जिसके लिए परीक्षण हेतु अनुरोध प्राप्त हुए थे। 2010-11 में परीक्षकों की कार्यरत संख्या 79 थी, जबकि परीक्षकों की बृहत संख्या में नियुक्ति के कारण 2011-12 के अंत तक यह संख्या 207 हो गई। 2012-13 के अंत तक परीक्षकों की कुल कार्यरत संख्या 201 थी, हालाँकि वे अवेदनों के परीक्षण में योगदान नहीं दे सके क्योंकि इन नवनियुक्त परीक्षकों को विस्तृत संस्थागत और कार्यकालीन प्रशिक्षण दिया जा रहा था ताकि प्रशिक्षित और विशेषज्ञ मानव संसाधन विकसित किया जा सके जो आगामी वर्षों में आवेदनों का परीक्षण बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। **2012-13** के दौरान ही एकस्व कार्यालय ने व्यापक कम्प्यूटरीकरण और स्वचालन के माध्यम से आंतरिक प्रसंस्करण प्रणाली का अद्यतनीकरण किया जिससे त्वरित और गुणतापरक परीक्षण और अन्य उत्पादः निर्गत सुलभ कराया जा सके। कार्यालय के वेबसाइट में विस्तृत ई-फाइलिंग प्रणाली और डायनामिक मॉड्यूल शामिल कर इसका अद्यतनीकरण किया गया है ताकि आम जनता को सूचना प्राप्त करने और उनके दस्तावेज दाखिल करने में सहायता मिल सके। एकस्व कार्यालय एक समेकित खोज मंच के माध्यम से अपनी खोज सुविधाओं के एकीकरण हेतु एक महत्वाकांक्षी परियोजना पर कार्य प्रारंभ कर चुका है।

ख. अभिकल्प: वर्ष के दौरान **8337** अभिकल्प आवेदन दाखिल किए गए जो विगत वर्ष की तुलना में आंशिक कमी दर्शाते हैं। हालाँकि, 2011-12 के दौरान 6590 की तुलना में इस वर्ष के दौरान 7252 अभिकल्प पंजीकृत किए गए। इसी प्रकार 2012-13 में अभिकल्प आवेदनों का परीक्षण भी बढ़कर 6776 रहा जबकि 2011-12 के दौरान यह 6511 था। विगत पाँच वर्षों की प्रवृत्ति निम्नवत् है।

अभिकल्प आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13
दाखिल	6557	6092	7589	8373	**8337**
परीक्षित	6446	6266	6277	6511	**6776**
पंजीकृत	4772	6025	9206	6590	**7252**
आवेदनों का निपटान	4897	6045	9221	6705	**7300**

ग. व्यापार चिह्न: वर्ष **2012-13** में **194216** व्यापार चिह्न आवेदन दाखिल किए गए। विगत वर्ष की तुलना में आवेदन दाखिल करने में लगभग **5.79%** की वृद्धि रही है। विगत पाँच वर्षों की प्रवृत्ति निम्नवत् है।

व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13
दाखिल	130172	141943	179317	183588	**194216**
परीक्षित	105219	25875	205065	116263	**202385**
पंजीकृत	102257	67490	115472	51735	**44361**
आवेदनों का निपटान	126540	76310	132507	57867	**69736**

घ. भौगोलिक उपदर्शन : 15 सितम्बर, 2003 से 31 मार्च, 2013 तक कुल **404** आवेदन प्राप्त किए गए हैं। वर्ष 2012-13 के दौरान 24 आवेदन दाखिल किए गए और कुल **21** भौगोलिक उपदर्शन पंजीकृत किए गए। विगत पाँच वर्षों में दाखिल आवेदनों एवं पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन की प्रवृत्ति निम्नवत् हैं।

भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13
दाखिल	44	40	27	148	**24**
परीक्षित	21	46	32	37	**30**
पंजीकृत	45	14	29	23	**21**

ङ. अनुदानित/पंजीकृत बौद्धिक सम्पदा अधिकार की प्रवृत्ति: विगत 5 वर्षों के दौरान बौद्धिक सम्पदा अधिकार के अनुदान/पंजीकरण की तुलनात्मक प्रवृत्ति निम्नवत् है।

अनुदानित/पंजीकृत (और निपटाए गए) बौद्धिक सम्पदा अधिकार की तुलनात्मक प्रवृत्ति

वर्ष	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13
एकस्व	16061 (17136)	6168 (17339)	7539 (12851)	4381 (8488)	**4126 (9027)**
अभिकल्प	4772 (4897)	6025 (6045)	9206 (9221)	6590 (6705)	**7252 (7300)**
व्यापार चिह्न	102257 (126540)	67490 (76310)	115472 (132507)	51735 (57867)	**44361 (69736)**
भौ.उ. रजिस्ट्री	45	14	29	23	**21**

2012-13 में दाखिल बौद्धिक सम्पदा आवेदनों की संख्या

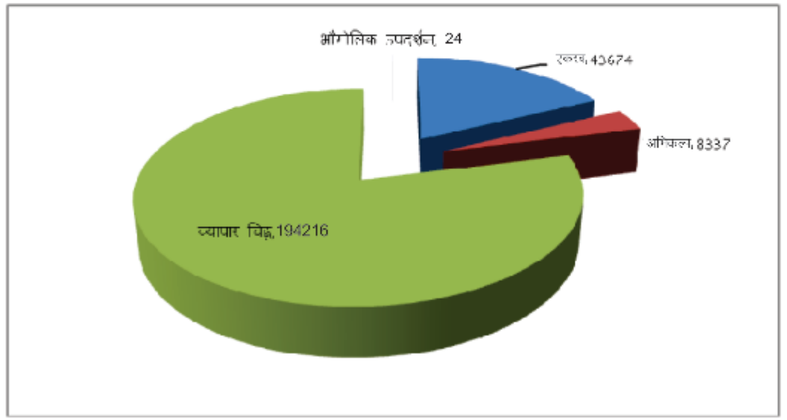

2012-13 में अनुदानित/पंजीकृत बौद्धिक सम्पदा अधिकार की संख्या

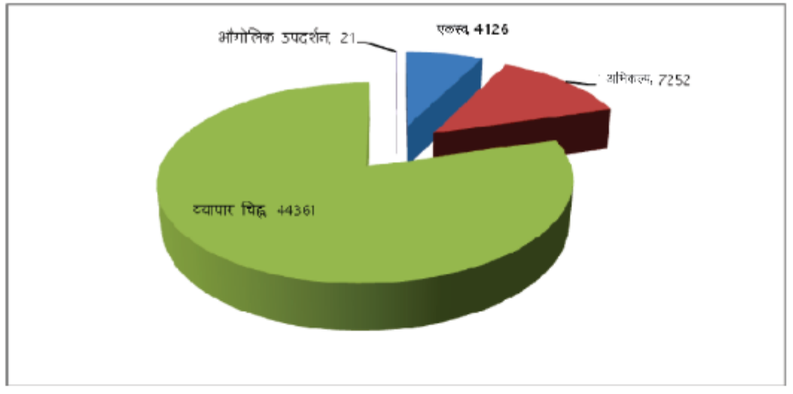

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से एकस्व के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 5 प्रमुख भारतीय आवेदक

क्र.सं.	कंपनियों के नाम	दाखिल आवेदन
1.	टाटा कंसल्टेन्सी सर्विसेज लिमिटेड	162
2.	सैमसंग इंडिया सॉफ्टवेयर ऑपरेशन्स प्राईवेट लिमिटेड	135
3.	इंफोसिस	81
4.	तेजस नेटवर्क्स लिमिटेड	40
5.	एचसीएल टेक्नोलॉजीस लिमिटेड	36

वैज्ञानिक तथा अनुसंधान व विकास संस्थानों से एकस्व के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 भारतीय आवेदक

क्र.सं.	वैज्ञानिक तथा अनुसंधान व विकास संस्थानों के नाम	दाखिल आवेदन
1.	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्	202
2.	रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन	73
3.	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्	68
4.	हेटेरो रिसर्च फाउंडेशन	62
5.	जैवतकनीक विभाग, भारत सरकार	28
6.	एयरक्राफ्ट अपग्रेड रिसर्च एण्ड डिजाइन सेंटर (एयूआरडीसी)	23
7.	नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ फार्मस्यूटिकल एज्यूकेशन एंड रिसर्च (एनआईपीईआर)	15
8.	भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन	14
9.	भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्	14
10.	इंटरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च सेंटर फॉर पाउडर मेटालर्जी एण्ड न्यू मेटेरियल्स (एआरसीआई)	13

संस्थानों और विश्वविद्यालयों से एकस्व के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 भारतीय आवेदक

क्र.सं.	संस्थानों और विश्वविद्यालयों के नाम	दाखिल आवेदन
1.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (समेकित)	205
2.	अन्नी विश्वविद्यालय	140
3.	भारतीय विज्ञान संस्थान	31
4.	तमिलनाडु एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी	16
5.	नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ फार्मस्यूटिकल एज्यूकेशन एंड रिसर्च (एनआईपीईआर)	15
6.	एम एस रमैया स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज	13
7.	नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी	12
7.	मारूल इन्स्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी	12
7.	द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इन्स्टिट्यूट (टीईआरआई)	12
8.	सेंट्रल पावर रिसर्च इन्स्टिट्यूट	11
9.	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (समेकित)	10
9.	जी.एच.आर. लैब्स एण्ड रिसर्च सेंटर	10
9.	अमृता विश्वविद्यापीठम विश्वविद्यालय	10
9.	सेंटर फॉर मेटेरियल्स फॉर इलेक्ट्रोनिक्स टेक्नोलॉजी	10
10.	नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी	9
10.	यूनिवर्सिटी ऑफ कलकत्ता	9
10.	जवाहर लाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च	9

शीर्ष 10 विदेशी आवेदक

क्र.सं.	संगठनों के नाम	आवेदनों की संख्या
1.	क्वालकम इंकॉरपोरेटेड	1034
2.	कोनिनक्लीके फिलिप्स इलेक्ट्रॉनिक्स एन.वी.	647
3.	टेलेफोनाक्टिबोलागेट एलएम एरिक्सन	413
4.	बेरफ एराइ	343
5.	जेनेरल इलेक्ट्रिक कम्पनी	342
6.	सिमेन्स एकटाइनजेसेलसाफ्ट	318

7.	रोबेर्ट बोस्च जीएमबीएच	297
8.	सोनी कॉरपोरेशन	273
9.	शार्प काबुशीकी कैसा	260
10.	पैनासोनिक कॉरपोरेशन	251

शीर्ष 5 भारतीय एकस्वग्राही

क्र.सं.	संगठनों के नाम	आवेदनों की संख्या
1	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद	101
2	सैमत्रंग इंडिया सॉफ्टवेयर ऑपरेशन्स प्राइवेट लिमिटेड	72
3	भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	42
4	टाटा स्टील लिमिटेड	35
5	हिन्दुस्तान यूनीलीवर लिमिटेड	33

शीर्ष 5 विदेशी प्रवासी एकस्वग्राही

क्र.सं.	आवेदक	अनुदानित एकस्व
1	क्वालकम इंकॉरपोरेटेड	117
2	जीएम ग्लोबल टेक्नोलॉजी ऑपरेशन्स इंक.	87
3	सिनेन्स एकटाइनजेसेलसाफ्ट	42
4	सैमसंग इलेक्ट्रोनिक्स क. लि.	41
5	होण्डा मोटर क. लि	39
6	कोनेनक्लीके फिलिप्स इलेक्ट्रॉनिक्स एन.वी.	39

च. प्रकाशन एवं अनुदान-पूर्व आपत्ति: प्रतिवेदन वर्ष के दौरान धारा 11क के तहत 26159 एकस्व आवेदन प्रकाशित किए गए तथा एकस्व अधिनियम,1970 की धारा 25(1) के तहत केवल 262 अनुदान-पूर्व आपत्ति दाखिल हुए जो प्रकाशित आवेदनों का लगभग 1% है। प्रकाशित तथा अनुदान-पूर्व आपत्ति के लिए दाखिल आवेदनों का आरेखीय दृश्य निम्नवत् है।

प्रकाशन बनाम अनुदान-पूर्व विरोध

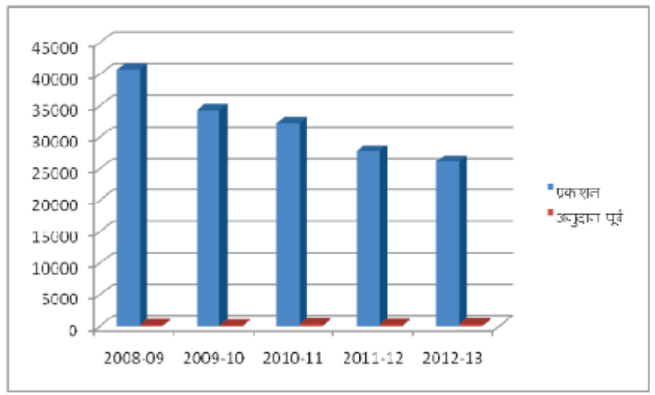

छ. राजस्व और व्यय: महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न के अंतर्गत सभी कार्यालय प्रत्येक वर्ष निरंतर राजस्व आधिक्य वाले कार्यालय रहे हैं। वर्ष 2012-13 के दौरान अर्जित कुल राजस्व रू. 282.32 करोड़ था जो विगत वर्ष की तुलना में लगभग **4.85%** अधिक है, जबकि कुल गैर-योजना व्यय **रू.36.69 करोड़** था जिससे **रू.245.63 करोड़** का राजस्व आधिक्य प्राप्त हुआ। एकस्व कार्यालय ने **रू.171.77 करोड़** (एकस्व **रू.170.48 करोड़** एवं अभिकल्प **रू.1.29 करोड़),** व्यापार चिह्न रजिस्ट्री ने **रू.110.45 करोड़,** भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री ने **रू.0.088 करोड़** तथा एकस्व सूचना पद्धति और राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान ने **रू.0.0145 करोड़** का कुल राजस्व अर्जित किया। बौद्धिक सम्पदा (आईपी) प्रशासन के राजस्व और व्यय का विवरण निम्नलिखित हैं।

(i) वर्ष 2011-2012 और 2012-2013 के दौरान उत्पादित राजस्व का तुलनात्मक विवरण

वर्ष	2011-2012 (रु.)	2012-13(रु.)
एकस्व	164,40,23,224	170,47,84,657
अभिकल्प	1,26,11,650	1,29,32,740
व्यापार चिह्न	103,53,00,000	110,45,00,000
भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री	48,082,65	8,77,750
ए.सू.पद्धति/आरजीएनआई आईपीएम(आईपीटीआइ)	6,43,000	1,45,712
कुल	269,25,77,874	282,32,40,859

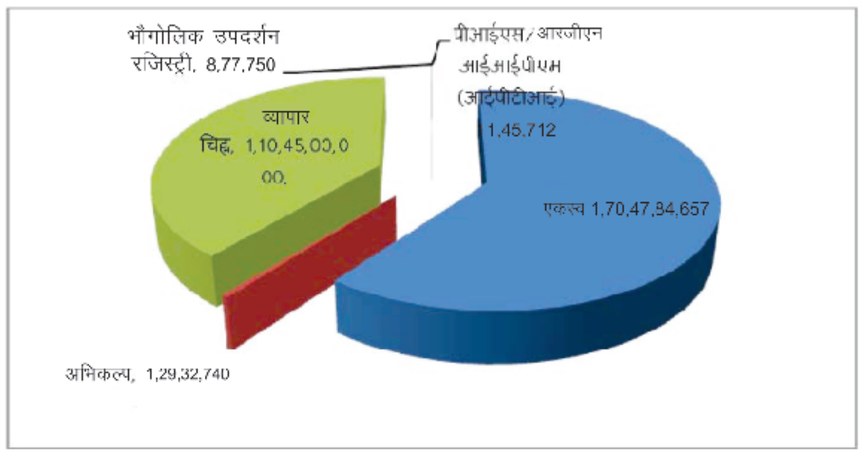

राजस्व (रू.में)

(ii) वर्ष 2011-2012 और 2012-2013 के लिए गैर-योजना व्यय की तुलना

वर्ष	2011-2012 (रु.)	2012-13(रु.)
एकस्व (अभिकल्प सहित)	24,69,87,683	25,33,12,134
व्यापार चिह्न	8,10,48,895	8,92,33,145
भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री	48,03,677	52,39,902
ए.सू.पद्धति/आरजीएनआईआईपी एम(आईपीटीआइ)	1,64,89,441	1,91,35,616
कुल:	34,93,29,696	36,69,20,797

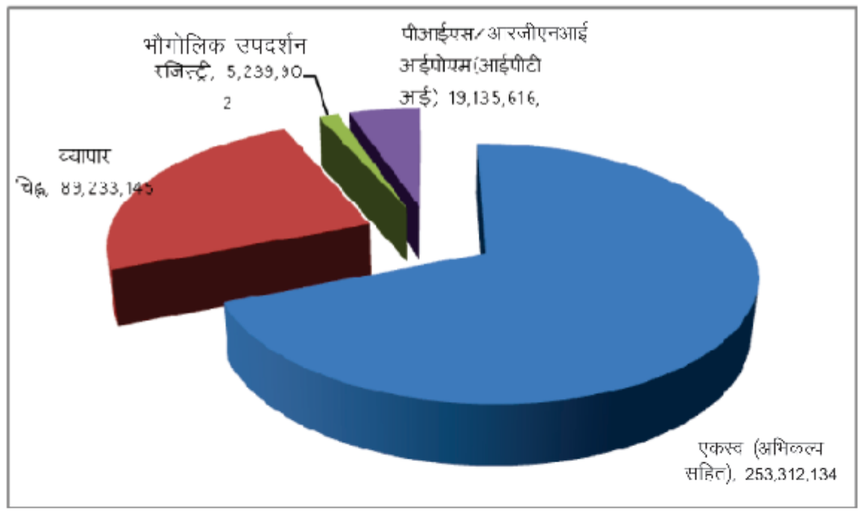

गैर-योजना व्यय (रूपये में)

अध्याय - III

लोक सेवा प्रदान - दक्षता और पारदर्शिता

बौद्धिक सम्पदा अधिकार के विश्वव्यापी होने के बाद, दुनिया में आईपीआर और समाज पर इसके प्रभाव के संबंध में आम लोगों में बढ़ती चेतना ही शायद इसकी सर्वाधिक उल्लेखनीय विशिष्टता है। बौद्धिक सम्पदा अधिकार के प्रशासन से संबद्ध ज्ञान प्राप्त करने के लिए लोगों की बढ़ती माँग के अनुरूप, बौद्धिक सम्पदा कार्यालय ने ऐसे कई कदम उठाए हैं जिससे इसकी कार्यकुशलता में वृद्धि हो और पारदर्शिता लाई जा सके ताकि इसके कार्यों को आम लोगों की निगरानी के लिए प्रस्तुत किया जा सके। सूचना प्रौद्योगिकी के त्वरित विकास के साथ बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों के कार्य के साथ-साथ जन-प्रदान प्रणाली को भी सूचना प्रौद्योगिकी सुलभ परिवेश में परिवर्तित किया गया है। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, बौद्धिक सम्पदा उपयोक्ताओं (स्टेकधारकों) को लाभ पहुँचाने और बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों से आँकड़े प्राप्त करने में सहायता के लिए ऑनलाइन आवेदन दाखिल करने की विद्यमान प्रणाली को उन्नत करने और सभी बौद्धिक सम्पदा अभिलेखों को अद्यतन करने की दिशा में कदम उठाए गए हैं। बेहतर जनसेवा प्रदान करने हेतु बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों की आंतरिक सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली का सतत संवर्द्धन भी किया जाता है और डाटाबेस को आपर्धित किया जा रहा है जिसके फलस्वरूप तीव्रतर और बेहतर जन सेवा प्रदान की जा रही है।

सूचना का अधिकार

बौद्धिक सम्पदा कार्यालय सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 की नीति उद्देश्यों के अनुपालन हेतु पूर्ण प्रतिबद्ध हैं और सूचना अधिकार अधिनियम के विधायी आशय और अधिदेश के अनुरूप कार्य करते हुए स्वयं-सक्रियता के साथ जनता को सूचना प्रदान कराते हैं ताकि इन कार्यालयों की गतिविधियों में अधिकतम संभव पारदर्शिता प्राप्त की जा सके।

एकस्व

एकस्व प्रणाली सावधानीपूर्वक सृजित एक सौदा है जो किसी आविष्कारक के लिए समाज के प्रति उसके योगदान का प्रतिदान होता है। किसी एकस्व प्रणाली के बिना, आविष्कारक अपना आविष्कार सार्वजनिक करने के लिए प्रेरित नहीं होगा और इसे एक वाणिज्य गोपनीयता के रूप में बनाए रखना बेहतर समझेगा जिसके परिणामस्वरूप आविष्कारिता धीमी होगी और इसका प्रतिकूल प्रभाव राष्ट्र की सम्पन्नता पर पड़ेगा।

एकस्व कार्यालय को एकस्व आवेदनों के परीक्षण और उत्तरवर्ती कार्यवाहियों के लिए उच्च प्रशिक्षित अधिशासियों की आवश्यकता होती है। एकस्व प्रणाली में परीक्षक इसके मेरूदंड होते हैं, जिन्हें एकस्व अधिनियम के अधिदेश द्वारा, एकस्व विनिर्देश में वर्णित आविष्कार को उनकी नवीनता, आविष्कारिता के चरण, औद्योगिक अनुप्रयोग और अन्य एकस्व योग्य अपेक्षाओं के संदर्भ में परीक्षण का दायित्व प्राप्त है।

हाल के दिनों में, एकस्व आवेदन की बढ़ती फाइलिंग के समाधान के लिए एकस्व कार्यालय ने कई परीक्षक नियुक्त किए हैं। इन नव नियुक्त परीक्षकों को कठिन अनुस्थापन और तीन चरणों में संस्थागत और कार्यकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भेजा गया।

एकस्व कार्यालय में नियंत्रक, एकस्व और अभिकल्प, महानियंत्रक एकस्व अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न द्वारा प्रदत्त शक्तियों के साथ कार्य करते हैं और अर्द्ध-न्यायिक कार्य निष्पादित करते हैं। नियंत्रक, एकस्व और अभिकल्प को प्रशिक्षित करने के लिए राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय दिल्ली (एनएलयूडी) के साथ मिलकर द्वारका, नई दिल्ली स्थित उसके परिसर में नियमित अंतराल पर न्यायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। दिल्ली के जिला न्यायालय और उच्च न्यायालय के पदासीन और सेवानिवृत न्यायाधीशों के साथ-साथ ख्यातिलब्ध विधि विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण

कार्यक्रम में, विधि के अन्य पहलुओं के साथ प्राकृतिक न्याय, प्रशासनिक कानून, संवैधानिक कानून और प्रविधान की व्याख्या शामिल थी।

अपने सभी कार्यालयों में एकरुपता बनाए रखने और परीक्षण प्रक्रिया में पारदर्शिता प्राप्त करने के उद्देश्य से कार्यालय ने दो दिशानिर्देश विकसित किए हैं और इन्हें अंतिम रूप दिया है, जो हैं (1) पारंपरिक ज्ञान और जीव विज्ञान की सामग्री से संबंधित एकस्व आवेदनों पर कार्यवाही करने हेतु दिशा निर्देश और (2) जैव प्रौद्योगिकी आवेदनों के परीक्षण हेतु दिशा निर्देश। इसके अतिरिक्त, कम्प्यूटर संबंधी आविष्कारों और भेषजीय क्षेत्रों के एकस्व आवेदनों के परीक्षण से संबंधित दिशा निर्देश अभी विकसित किए जा रहे हैं।

भारतीय एकस्व कार्यालय को अंतर्राष्ट्रीय अन्वेषण और प्रारंभिक परीक्षण प्राधिकारी के रूप में मान्यता प्राप्त थी। इसकी गतिविधियों को कार्यरूप देने के उद्देश्य से एकस्व नियम में संशोधन करने और आवश्यक आधारभूत सुविधा विकसित करने की दिशा में पहल की गई है।

एकस्व कार्यालय ने दिनांक 15 दिसम्बर, 2012 को विस्तृत ऑनलाइन एकस्व फाइलिंग सेवा की भी शुरूआत की जिसमें नए आवेदनों की ऑन लाइन फाइलिंग के साथ-साथ अनुवर्ती फाइलिंग को भी एकीकृत किया गया है। इस सुविधा का शुभारंभ श्री सौरभ चंद्र, भा.प्र.से., सचिव, औद्योगिक नीति एवं संवर्द्धन विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के कर-कमलों से हुआ।

पी सी टी राष्ट्रीय फेज आवेदन दाखिल करने की प्रक्रिया को सरल करने के प्रयास में, बौद्धिक सम्पदा कार्यालय ने विश्व बौद्धिक सम्पदा संगठन (वायपो) के अंतर्राष्ट्रीय ब्यूरो (आई बी) के साथ मिलकर आई बी के पास उपलब्ध पी सी टी अंतर्राष्ट्रीय आवेदन और संबंधित दस्तावेज तक ऑन लाइन अभिगम प्राप्त किया है। फलतः बौद्धिक सम्पदा कार्यालय के बहुमूल्य संसाधनों का अधिक सक्षम उपयोग और डाटा प्रविष्टि में त्रुटियाँ कम होना संभव हुआ है, जिसके कारण कई मामलों में सुधार की आवश्यकता का निवारण हो सका। इससे भारत में राष्ट्रीय आवेदन दाखिल करने की प्रक्रिया सरल हुई है और आवेदकों का बोझ घटा है।

अभिकल्प

एकस्व कार्यालय कोलकाता से अभिकल्प स्कन्ध का काम होता है जहाँ अभिकल्प आवेदनों की जाँच एवं उसका पंजीकरण होता है, हालाँकि ऐसे आवेदनों हेतु प्राप्ति और दाखिल करने की सुविधा सभी शाखाओं में औपबंधित है। प्रतिवेदन सत्र के दौरान अप्रैल 1997 से सभी पंजीकृत अभिकल्पों को डिजिटाइज कर अपलोड करने के लिए एक पहल की गयी ताकि बेहतर लोक सेवा प्रदान की जा सके।

व्यापार चिह्न

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के कार्यों को पुनर्व्यवस्थित किया गया और वर्तमान कर्मचारियों का आनुपातिक आबंटन किया गया। टी एम आर कार्यालय की पुनर्व्यवस्था के कार्यालय आदेशों की प्रतियाँ वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई ।

व्यापार चिह्न आवेदनों का परीक्षण केन्द्रीय रूप में होना जारी रहा जो व्यापार चिह्न रजिस्ट्री, बौद्धिक सम्पदा कार्यालय, मुम्बई में संचालित किया जाता है। परीक्षण हेतु आवेदनों का आबंटन परीक्षकों की वरीयता क्रमानुसार प्रणाली द्वारा स्वयमेव होता है और परीक्षण प्रतिवेदन किसी पर्यवेक्षक परीक्षक के पास उनके अनुमोदन के लिए प्रणाली द्वारा स्वचालित रूप में पहुँचाया जाता है। इस प्रकार, परीक्षण हेतु किसी केस का चयन करने या परीक्षण प्रतिवेदन अनुमोदित करने में कोई मानवीय दखल नहीं होता है।

व्यापार चिह्न के प्रतिवादित मामलों के निष्पादन हेतु विशेष अभियान स्थापित किया गया जहाँ कार्यवाही के पक्षों ने आपसी सहमति हो गई अथवा प्रतिवादी पक्ष ने किसी व्यापार चिह्न आवेदन या किसी पंजीकृत व्यापार चिह्न के निरस्तीकरण हेतु आवेदन, जैसा भी संदर्भ रहा हो, के लिए अपना विरोध वापस ले लिया। एक अन्य विशेष अभियान पंजीकृत व्यापार चिह्न में उत्तर-पंजीकरण परिवर्तन की प्रविष्टि हेतु अनुरोधों का निपटान करने के लिए चलाया गया। इन अभियानों के तहत कई पुराने मामलों का निपटारा किया गया।

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री में पूर्ण पारदर्शिता प्राप्त करने के उद्देश्य से लंबित व्यापार चिह्न आवेदनों एवं पंजीकृत व्यापार चिह्न के पूर्ण विवरण उसके साथ प्रस्तुत दस्तावेज की स्कैन की गई प्रतियाँ, अभियोजन वृत्तांत, परीक्षण रिपोर्ट, आवदेन की प्रति, व्यापार चिह्न प्रमाण पत्र की प्रति, विरोध विवरण आदि सहित आम जनता को शासकीय वेबसाइट www.ipindia.nic.in के माध्यम से निःशुल्क उपलब्ध कराए गए हैं।

व्यापार चिह्न पंजीकरण प्रमाण पत्र का निर्गमन एक इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली के रूप में विकसित किया गया जिसमें उपयुक्त संदर्भ में प्रमाण पत्रों का मुद्रण और प्रेषण केन्द्रीय रूप में व्यापार चिह्न रजिस्ट्री, मुम्बई से करना शामिल है।

व्यापार चिह्न आवेदनों की डाटा एंट्री में लिपिकीय त्रुटियों के ऑन लाइन परिमार्जन हेतु एक सुविधा आम जनता को उपलब्ध कराई गई, जहाँ किसी व्यापार चिह्न आवेदन का आवेदक या उसका प्राधिकृत अभिकर्ता उस आवेदन की डाटा एंट्री में त्रुटियों के परिमार्जन का अनुरोध कर सकता है, सहायक दस्तावेज अपलोड कर सकता है और अपने आवेदन की प्रगति पर नजर रख सकता है।

व्यापार चिह्न प्रणाली को अधिक प्रभावी और उपयोक्ता सुलभ बनाया गया । व्यापार चिह्न आवेदनों के साथ-साथ पंजीकृत व्यापार चिह्न के विवरण भी आम जनता को उपलब्ध कराए गए जिसके कारण पारदर्शिता आई और जनता के लिए व्यापार चिह्न सहज उपलब्ध होने के कारण प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहन मिला।

भौगोलिक उपदर्शन

प्राधिकृत उपयोक्ता के पंजीकरण हेतु प्राप्त आवेदनों की संख्या काफी अधिक थी जिसमें भारी वृद्धि दर्ज की गई। रजिस्ट्री ने 2009 से प्राधिकृत उपयोक्ताओं के पंजीकरण हेतु आवेदन प्राप्त करना प्रारंभ किया था किन्तु प्रतिवेदन वर्ष के पूर्व तक प्राप्त आवेदनों की संख्या मात्र 145 थी। 2012-13 के दौरान, जागरूकता कार्यक्रम संचालित कर प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों को आकर्षित करने के लिए विशेष प्रयास किए गए और परिणामस्वरूप, प्रतिवेदन वर्ष के दौरान प्राधिकृत उपयोक्ता पंजीकरण हेतु 1070 आवेदन प्राप्त हुए। साथ ही, 107 प्राधिकृत उपयोक्ता प्रतिवेदन वर्ष के दौरान पंजीकृत किए गए।

अध्याय - IV

एकस्व

1. परिचय:

यह अध्याय एकस्व अधिनियम, 1970 की धारा 155 के तहत एकस्व कार्यालयों द्वारा वर्ष 2012-13 के दौरान निष्पादित गतिविधियों के संबंध में 41वाँ प्रतिवेदन प्रस्तुत करता है। एकस्व कार्यालय भौगोलिक रूप से विभाजित है तथा चार महानगरों कोलकाता, चेन्नई, मुम्बई तथा दिल्ली में स्थित है, यद्यपि कोलकाता कार्यालय प्रधान कार्यालय है। एकस्व कार्यालय देश में हुए आविष्कारों पर इनके आविष्कारकों अथवा उनके द्वारा नामित व्यक्तियों अथवा कानूनी उत्तराधिकारियों को सीमित एकाधिकार अनुदानित करने के द्वारा इन आविष्कारों की संरक्षा से संबंधित विधान का प्रशासन करता है। एकस्व अधिनियम, 1970 एकस्व अनुदान को नियंत्रित करता है। निम्न प्रदत्त परिच्छेद एकस्व विधान के तहत यथा प्रशासित एकस्व कार्यालय की प्रमुख गतिविधियों की रूप-रेखा प्रस्तुत करते है।

2. एकस्व आवेदन:

वर्ष 2012-2013 में एकस्व अनुदान के लिए दाखिल आवेदनों की संख्या **43,674** थी जबकि वर्ष 2011-12 में यह संख्या **43,197** थी जो लगभग **1.10%** की वृद्धि दर्शाता है। रसायन, भेषज, खाद्य, यांत्रिकी, कम्प्यूटर/इलेक्ट्रॉनिक्स, जैवतकनीकी के क्षेत्रों में आवेदनों की प्रवृत्ति में उर्ध्वगामी विकास देखा गया जबकि विद्युत के क्षेत्र में अवनति की प्रवृत्ति पाई गई। आवेदनों की प्रवृत्ति के विस्तृत आँकड़े, विभिन्न क्षेत्रों में विभाजित, परिशिष्ट-ङ में देखे जा सकते हैं।

(क) भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदन

कुल 43674 आवेदनों में से भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या **9911** रही जो विगत वर्ष की तुलना में 11% की वृद्धि प्रदर्शित करती है, जब ऐसे आवेदनों की संख्या **8921** थी। हालाँकि, विदेशी आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या में 2011-12 के दौरान दाखिल 34276 आवेदनों की तुलना में इस वर्ष के दौरान दाखिल आवेदनों (33763) में 1.5% की गिरावट देखी गई । भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या प्रतिवेदन वर्ष के दौरान दाखिल आवेदनों की कुल संख्या का लगभग **22.69%** रही जबकि वर्ष 2011-12 के दौरान यह संख्या 20.65% थी।

भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों में से, इस वर्ष भी महाराष्ट्र आवेदन दाखिल करने में अग्रणी रहा और दाखिल आवेदनों की संख्या सर्वाधिक रही जिसके बाद तमिलनाडु, कर्नाटक, दिल्ली, आन्ध्र प्रदेश गुजरात, उत्तर प्रदेश.पश्चिम बंगाल आदि का स्थान रहा। राज्य/संघ क्षेत्र के अनुसार संख्याएँ कोष्ठक में प्रदर्शित की गई है: महाराष्ट्र (2540), तमिलनाडु (1212), कर्नाटक (1167), दिल्ली (890), आन्ध्र प्रदेश (844), गुजरात (645), उत्तर प्रदेश (478), पश्चिम बंगाल (441), हरियाणा (287), केरल (257), झारखंड (115), मध्य प्रदेश (111), पंजाब (107), राजस्थान (78), असम (67), उत्तरांचल (50), बिहार (46), उड़ीसा (44), हिमाचल प्रदेश (40) इत्यादि।

साधारण आवेदन (राज्यानुसार)

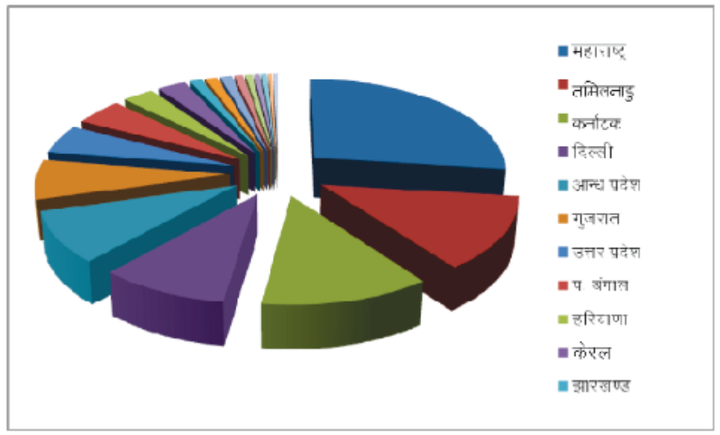

(ख) सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से एकस्व के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 5 भारतीय आवेदक

क्र.सं.	कंपनियों के नाम	दाखिल आवेदन
1.	टाटा कंसल्टेन्सी सर्विसेज लिमिटेड	162
2.	सैमसंग इंडिया सॉफ्टवेयर ऑपरेशन्स प्राईवेट लिमिटेड	135
3.	इंफोसिस	81
4.	तेजस नेटवर्क्स लिमिटेड	40
5.	एचसीएल टेक्नोलॉजीस लिमिटेड	36

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रतिवेदन वर्ष में टीसीएस ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया जबकि इंफोसिस विगत वर्ष के दौरान शीर्ष स्थान पर थी, सैमसंग इंडिया इस वर्ष भी सारणी में द्वितीय स्थान पर बनी रही।

वैज्ञानिक तथा अनुसंधान व विकास संस्थानों से एकस्व के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 भारतीय आवेदक

क्र.सं.	वैज्ञानिक तथा अनुसंधान व विकास संस्थानों के नाम	दाखिल आवेदन
1.	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्	202
2.	रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन	73
3.	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्	68
4.	हेटेरो रिसर्च फाउंडेशन	62
5.	जैवतकनीक विभाग, भारत सरकार	28
6.	एयरक्राफ्ट अपग्रेड रिसर्च एण्ड डिजाइन सेंटर (एयूआरडीसी)	23
7.	नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ फार्मस्यूटिकल एज्यूकेशन एंड रिसर्च (एनआईपीईआर)	15
8.	भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन	14
9.	भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्	14
10.	इंटरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च सेंटर फॉर पाउडर मैटलर्जी एण्ड न्यू मेटेरियल्स (एआरसीआई)	13

इस श्रेणी में वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् आवेदनों की संख्या में आंशिक वृद्धि के साथ शीर्ष स्थान पर बना रहा। हालाँकि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, जो विगत वर्ष तृतीय स्थान पर था, उर्ध्वगामी प्रवृति प्रदर्शित करते हुए इस वर्ष द्वितीय स्थान पर आ गया, जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् जो पिछले वर्ष दूसरे स्थान पर था प्रतिवेदन वर्ष में खिसककर तीसरे स्थान पर आ गया।

संस्थानों और विश्वविद्यालयों से एकस्व के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 भारतीय आवेदक

क्र.सं.	संस्थानों/विश्वविद्यालयों के नाम	दाखिल आवेदन
1.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (समेकित)	205
2.	अमिटी विश्वविद्यालय	140
3.	भारतीय विज्ञान संस्थान	31
4.	तमिलनाडु एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी	16
5.	नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ फार्मस्यूटिकल एज्यूकेशन एंड रिसर्च (एनआईपीईआर)	15
6.	एस एस रैया स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज	13
7.	नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी	12
7.	पारूल इन्स्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी	12
7.	द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इन्स्टिट्यूट (टीईआरआई)	12
8.	सेंट्रल पावर रिसर्च इन्स्टिट्यूट	11
9.	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (समेकित)	10
9.	जी.एच.आर. लैब्स एण्ड रिसर्च सेंटर	10
9.	अमृता विश्वविद्यापीठम यूनिवर्सिटी	10
9.	सेंटर फॉर मेटेरियल्स फॉर इलेक्ट्रोनिक्स टेक्नोलॉजी	10
10.	नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी	9
10.	कलकत्ता विश्वविद्यालय	9
10.	जवाहर लाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च	9

इस वर्ष भी सभी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान और अमिटी विश्वविद्यालय प्रथम दो स्थानों पर काबिज रहे। हालाँकि, अमिटी यूनिवर्सिटी ने विगत वर्ष की तुलना में आवेदन दाखिल करने में लगभग 23% की वृद्धि दर्ज की जबकि विगत वर्ष की तुलना में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के लिए लगभग 2% की आंशिक वृद्धि मात्र हुई। यद्यपि, इस वर्ष भारतीय विज्ञान संस्थान ने उल्लेखनीय वृद्धि प्रदर्शित की है। विगत वर्ष संस्थान ने केवल 14 आवेदन दाखिल किए थे जबकि इस वर्ष इसने 31 आवेदन दाखिल किए हैं, अतः वह 121.42% की उर्ध्वगामी प्रवृति दर्शाते हुए संस्थान और विश्वविद्यालयों की श्रेणी में तीसरे स्थान पर रहा।

(ङ) विदेशी आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदन

i. कन्वेंशन आवेदन:

दाखिल कन्वेंशन आवेदनों की संख्या **4215** थी जो पिछले वर्ष की 4295 की तुलना में अल्प गिरावट दर्शाती है।

ii. पी.सी.टी राष्ट्रीय फेज आवेदन

विदेश से प्राप्त आवेदनों में से अधिकांश पेटेंट सहयोग संधि (पीसीटी) राष्ट्रीय फेज माध्यम से दाखिल किए गए। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान दाखिल ऐसे आवेदनों की संख्या **28435** रही जो विगत वर्ष **(28965)** की तुलना में अल्प गिरावट है। प्राप्त आवेदनों की संख्या के आधार पर संयुक्त राज्य अमेरिका

अग्रणी रहा जिसके पश्चात् जापान, जर्मनी, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, नीदरलैंड, चीन गणतंत्र, यूनाइटेड किंगडम, स्वीडन तथा कोरिया गणतंत्र इत्यादि का स्थान रहा। इन आवेदनों की देशानुसार संख्या कोष्ठक में प्रदर्शित की गई है: संयुक्त राज्य अमेरिका (8745), जापान (4939), जर्मनी (3364), फ्रांस (1390), स्विट्जरलैंड (1380), नीदरलैंड (1148), यूनाइटेड किंगडम (991), चीन गणतंत्र (957), स्वीडन (885), कोरिया गणतंत्र (584), इटली (534), कनाडा (438), डेनमार्क (335), आस्ट्रेलिया (325), बेल्जियम (321), फिनलैंड (321), इजराइल (285), आस्ट्रिया (252), स्पेन (203), नार्वे (136) इत्यादि।

पी.सी.टी राष्ट्रीय फेज हेतु शीर्ष दस आवेदक (देशानुसार)

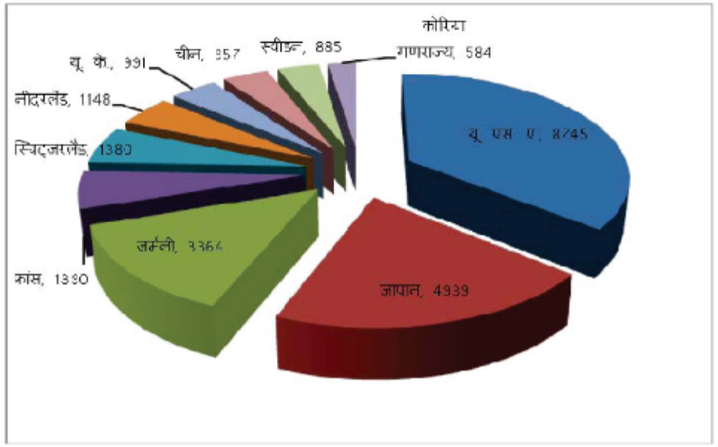

दाखिल राष्ट्रीय फेज आवेदनों की प्रवृत्ति

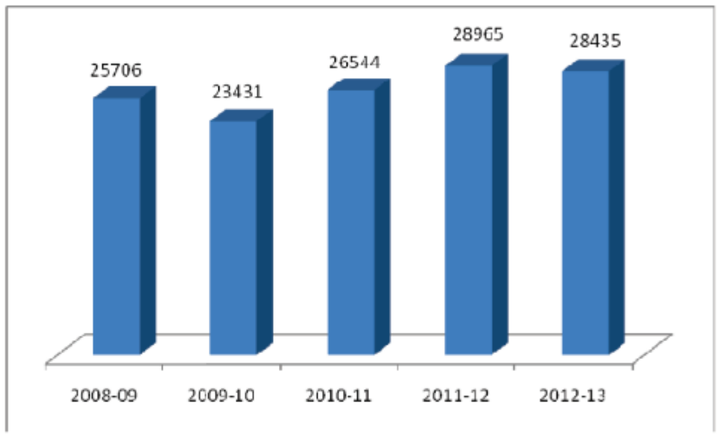

विगत कुछ वर्षों की कन्वेंशन आवेदनों की प्रवृत्ति

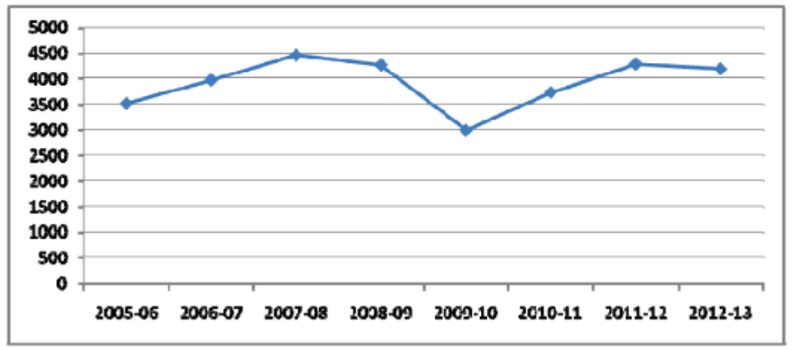

iii शीर्ष 10 विदेशी प्रवासी आवेदक

निम्नलिखित तालिका उन **शीर्ष 10 विदेशी प्रवासी आवेदकों** की सूची प्रदान करती है जिन्होंने 2012-13 के दौरान एकस्व आवेदन दाखिल किए हैं। यह पाया गया है कि क्वालकम इंकॉरपोरेटेड इस सूची में अग्रणी रहा जिसके बाद कोनिनक्लीके फिलिप्स इलेक्ट्रोनिक्स एन.वी. तथा टेलेफोनाक्टिबोलागेट एलएम एरिक्सन इत्यादि रहे।

शीर्ष 10 विदेशी आवेदक

क्र.सं.	संगठनों के नाम	आवेदनों की संख्या
1.	क्वालकम इंकॉरपोरेटेड	1031
2.	कोनिनक्लीके फिलिप्स इलेक्ट्रोनिक्स एन.वी.	647
3.	टेलेफोनाक्टिबोलागेट एलएम एरिक्सन	413
4.	बेस्फ एसइ	343
5.	जेनेरल इलेक्ट्रीक कम्पनी	342
6.	सिमेन्स एकटाइनजेसेलसाफ्ट	318
7.	रोबेर्ट बोरच जीएनबीएच	297
8.	सोनी कॉरपोरेशन	276
9.	शार्प कबुशीकी कैशा	260
10.	पैनासोनिक कॉरपोरेशन	251

वर्ष 2012-13 के दौरान विभिन्न माध्यमों से प्राप्त एवं उद्गम देश तथा राज्य के अनुसार वर्गीकृत एकस्व आवेदनों का विवरण **परिशिष्ट "ख"** में दर्शाया गया है।

2003-2004 से 2012-2013 की अवधि के दौरान विभिन्न माध्यमों से भारतीय प्रवासियों एवं अप्रवासियों से प्राप्त **एकस्व** आवेदनों की संख्या **परिशिष्ट "ग"** में दर्शायी गई है।

2008-2009 से 2012-2013 की अवधि के दौरान रसायन, वैद्युतिक, यांत्रिकी तथा सामान्य क्षेत्रों इत्यादि के विषयवार दाखिल आवेदनों का विवरण **परिशिष्ट "ड" (तथा "ड1" वर्ष 2012-13 में अन्य क्षेत्रों के लिए)** में प्रदत्त सारणी द्वारा दिखाया गया है।

3. अनुदानित तथा प्रवृत्त एकस्व

वर्ष के दौरान अनुदानित एकस्व की कुल संख्या 4126 थी, जिनमें से 716 भारतीय आवेदकों को अनुदानित किए गए। 31 मार्च 2013 को प्रभाव में एकस्व की संख्या 43920 थी जिनमें से 8308 एकस्व भारतीयों के नाम थे। कुल अनुदानित एकस्व में से 749 एकस्व यांत्रिकी, 1289 रसायन, 344 भेषज या औषधि, व 228 वैद्युतिक व 37 खाद्य से संबंधित आवेदनों के लिए अनुदानित किए गए।

वर्ष 2002-2003 से वर्ष 2012-13 की अवधि के दौरान दाखिल आवेदनों की संख्या, परीक्षण हेतु प्राप्त अनुरोधों की संख्या, परित्यक्त हुआ सामान लिए गए आवेदन तथा अनुदानित एकस्व एवं प्रवृत्त एकस्व की संख्या **परिशिष्ट- "घ"** में प्रदर्शित की गई है।

वर्ष 2008-2009 से 2012-13 तक विगत पाँच वर्षों के दौरान विभिन्न क्षेत्रों के आविष्कारों पर अनुदानित एकस्व की संख्या **परिशिष्ट- "च" व "च1"** में प्रदर्शित की गई है।

4.भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल पी.सी.टी अन्तर्राष्ट्रीय आवेदन

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान एकस्व कार्यालय में प्राप्तकर्त्ता कार्यालय के रूप में पी.सी.टी प्रणाली का उपयोग करते हुए भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल अंतर्राष्ट्रीय आवेदनों की कुल संख्या 1042 थी जो विगत वर्ष की 873 की तुलना में 32% की महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शाती है। इससे भारतीय आवेदकों/आविष्कारकों द्वारा विदेश में उनके आविष्कारों पर संरक्षा के लिए पेटेंट सहयोग संधि (पी.सी.टी.) के तहत अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली का उल्लेखनीय उच्च स्तर का उपयोग प्रदर्शित होता है। विगत पाँच वर्षों के दौरान दाखिल पी.सी.टी. अन्तर्राष्ट्रीय आवेदनों के आँकड़े निम्नवत् हैं (इन आवेदनों में वे अंतर्राष्ट्रीय आवेदन शामिल नहीं है जो भारतीय आवेदकों द्वारा सीधे वाइपो के अंतर्राष्ट्रीय ब्यूरो में दाखिल किए गए हैं):

वर्ष	वैयक्तिक	विधिक सत्ताधारी	कुल
2008-2009	232	655	887
2009-2010	231	521	752
2010-2011	243	628	871
2011-2012	254	519	873
2012-2013	252	790	1042

विगत पाँच वर्षों की अंतर्राष्ट्रीय आवेदनों की प्रवृत्ति

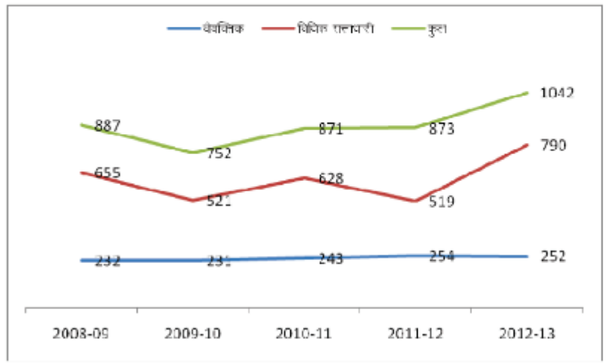

वर्ष के दौरान पी.सी.टी. अन्तर्राष्ट्रीय आवेदनों के सर्वप्रमुख अंशदाता थे- हेटेरो रिसर्च फाउंडेशन, इनेडा सिस्टम्स प्र.लि., माइलन लैबोरेट्रीज लिमिटेड, टीवीएस मोटर्स कम्पनी लिमिटेड, टाटा स्टील लिमिटेड, टेगा इन्ड्रस्टीज लिमिटेड, नेटको फार्मा लिमिटेड और डॉ. रेड्डी लैबोरेट्रीज।

5. एकस्व अधिनियम व नियमों के तहत विविध कार्यवाहियाँ

(क) परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में आविष्कार: एकस्व अधिनियम, 1970 की धारा 4 के तहत आलोच्य वर्ष के दौरान 78 आवेदन परमाणु ऊर्जा विभाग को प्रेषित किए गए जिनमें से 42 आवेदन वर्ष के दौरान सामान्य शासकीय कार्यवाही के तहत प्रक्रियागत करने के लिए अनुमत्त हुए तथा 29 आवेदन अब भी परमाणु ऊर्जा विभाग के समक्ष विचारार्थ लंबित हैं तथा 7 आवेदन को परमाणु ऊर्जा विभाग ने अस्वीकृत कर दिया जिसके फलस्वरूप उन पर एकस्व अधिनियम,1970 की धारा 4 लागू हुई।

(ख) धारा 11क के तहत एकस्व आवेदनों का प्रकाशन: वर्ष के दौरान धारा 11क के तहत 26159 आवेदन प्रकाशित किए गए जिनमें शीघ्र प्रकाशन हेतु 1413 आवेदन शामिल हैं।

प्रकाशित एकस्व आवेदनों की संख्या का वर्ष के अनुसार विवरण निम्नवत् हैं।

वर्ष	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	कुल
धारा 11क के तहत प्रकाशन	39821	33328	32213	26422	24746	131784
शीघ्र प्रकाशन	928	977	1153	1331	1413	4389
कुल	40749	34305	33366	27753	26159	136173

(ग) अनुदानपूर्व आपत्ति [धारा 25(1) के तहत]: वर्ष के दौरान इस धारा के तहत आपत्ति के रूप में 262 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 34 अनुदानपूर्व आपत्तियों का निष्पादन वर्ष के दौरान कर दिया गया।

(घ) अनुदानोत्तर आपत्ति [धारा 25(2) के तहत]: वर्ष के दौरान, 14 अनुदानोत्तर आपत्तियाँ दाखिल की गई। 7 अनुदानोत्तर आपत्तियों का निष्पादन वर्ष के दौरान कर दिया गया और 162 अनुदानोत्तर आपत्तियाँ निष्पादन हेतु लंबित रहीं।

(ङ) गोपनीयता निदेश (धारा 35 के तहत): वर्ष के दौरान **33 एकस्व** आवेदन रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन को प्रेषित किए गए। **12** आवेदन लंबित रहे और **21** आवेदनों को रक्षा मंत्रालय द्वारा सामान्य कार्रवाही हेतु अनुमत किया गया।

(च) अनुमति (धारा 39 के तहत): भारत से बाहर आवेदन दाखिल करने की अनुमति का अनुरोध करते हुए **3690** आवेदन दाखिल किए गए जिसमें से **3681** को अनुमति प्रदान की गई।

(छ) व्यपगत एकस्व का प्रत्यावर्तन (धारा 60 के तहत): **एकस्व** के प्रत्यावर्तन के लिए **342** आवेदन प्राप्त हुए तथा 181 आवेदन प्रत्यावर्तित किए गए।

(ज) समनुदेशन, मोर्गेज, लाइसेंस आदि (धारा 68 तथा 69 के तहत): दस्तावेजों के पंजीकरण के लिए कुल **2098** गागले प्राप्त किए गए जिनमें रो **1685** गागलों का निपटान प्रतिवेदन वर्ष के दौरान कर दिया गया।

(झ) जारी एकस्व (धारा 146 के तहत): प्रतिवेदन वर्ष के दौरान **एकस्व** कार्यालय ने 27946 फॉर्म-27 प्राप्त किए जिनमें से 6201 के जारी रहने के रूप में दर्शाया गया था।

	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13
प्रवृत्त एकस्व	37334	39594	39989	**43920**
प्राप्त फॉर्म-27	24009	34112	27825	**27946**
जारी रहने के रूप में दर्शाया हुआ	4189	6777	7431	**6201**

(ञ) अनिवार्य लाइसेंस (धारा 84, 92 तथा 92-क के तहत): प्रतिवेदन वर्ष के दौरान अनिवार्य लाइसेंस हेतु एक आवेदन प्राप्त हुआ।

(ट) एकस्व का प्रतिसंहरण (धारा 66 के तहत): अधिनियम की धारा 66 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने मेसर्स अवेस्थागन लिमिटेड को अनुदानित एकस्व संख्या 252093 का प्रतिसंहरण **एकस्व** अधिनियम,1970 की धारा 66 के तहत किया क्योंकि उसे सर्वसाधारण पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला माना गया ।

(ठ) सूचना (धारा 153 के तहत): वर्ष के दौरान एकस्व नियम, 2003 के नियम 134 में यथा प्रदत्त इस अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत **एकस्व** संबंधी सूचना की आपूर्ति करने के लिए **एकस्व** कार्यालय ने **541** अनुरोध प्राप्त किए।

(ड) अनुलिपि एकस्व (धारा 154 के तहत): कुल **16** अनुरोध प्राप्त हुए तथा 16 का निपटारा कर दिया गया।

(ढ) एकस्व अभिकर्त्ताओं का पंजीकरण: वर्ष के दौरान एकस्व अभिकर्त्ता के नवीन पंजीकरणों की संख्या 5 रही। 31 मार्च 2013 तक पंजीकृत एकस्व अभिकर्त्ताओं की कुल संख्या 1584 थी।

6. राजस्व एवं व्यय:

एकस्व कार्यालय ने अधिनियम एवं नियमों के तहत विभिन्न कार्यवाहियों से शुल्क के रूप में **रू.170.48 करोड़** का राजस्व अर्जित किया। वर्ष के दौरान तदनुरूपी व्यय (अभिकल्प प्रशासन सहित) **रू. 25.33** करोड़ रहा। एकस्व मद में शुल्क के रूप में अर्जित राजस्व का विवरण **परिशिष्ट-छ** में दिया गया है।

7. सामान्य सूचना

एकस्व कार्यालय, कोलकाता तथा मुम्बई, दिल्ली एवं चेन्नई स्थित उसके शाखा कार्यालयों के वैज्ञानिक तथा तकनीकी पुस्तकालयों ने जनता को परामर्श तथा संदर्भ कार्य के लिए सुविधा प्रदान की। सुविधाओं का विभिन्न अनुसंधान व औद्योगिक संस्थानों के आविष्कारक तथा अन्य जनता के साथ साथ विभिन्न विश्वविद्यालयों में अनुसंधानरत विद्वानों ने और अधिक उपयोग किया।

वर्तमान में एकस्व कार्यालय सीडी-रोम्स, पुस्तकें और जर्नल के अतिरिक्त वैज्ञानिक और तकनीकी ई-जर्नल प्राप्त करता है। भारत और विदेश में **एकस्व** कार्यालयों के **एकस्व** विनिर्देश और अन्य प्रकाशनों के माध्यम से अन्वेषण संचालित करने हेतु **एकस्व** कार्यालय के पुस्तकालय में लगभग **3,347** व्यक्ति आए। इन कार्यालयों के अन्वेषण कक्ष तथा पुस्तकालयों का सगीचीन उपयोग वैज्ञानिकों/तकनीशियनों इत्यादि ने किया।

सर्वसाधारण ने भी एकस्व कार्यालय द्वारा प्रदत्त निःशुल्क ऑनलाइन इंटरनेट अन्वेषण सुविधा का लाभ उठाया।

8. सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत सूचना

वर्ष के दौरान, सूचना अधिकार अधिनियम के तहत सूचना उपलब्ध कराने के लिए 286 अनुरोध प्राप्त हुए और अधिनियम के तहत प्रदत्त समय-सीमा के अनुसार सभी अनुरोधों पर उपयुक्त कार्रवाई की गई।

परिशिष्ट- क(1)

परीक्षकों की कुल नियोजित शक्ति का विषयवार विवरण

क्र.सं.	विषय	परीक्षकों की संख्या
01	जैव रसायन	09
02	जैव तकनीकी	14
03	जैव चिकित्सीय अभियंत्रणा	08
04	रसायन	42
05	सिविल अभियंत्रणा	06
06	कम्प्यूटर एवं आई टी अभियंत्रणा	23
07	वैद्युतिक व इलेक्ट्रॉनिक्स	41
08	यांत्रिकी	22
09	धातुकर्म	08
10	माइक्रोबायोलॉजी	10
11	भौतिकी	05
12	पॉलीमर	07
13	वस्त्र	06
	कुल	201

परिशिष्ट "ख"

वर्ष 2011-12 की तुलना में 2012-13 में दाखिल किए गए एकस्व आवेदन
उद्‌गम राज्य/राष्ट्र के अनुसार वर्गीकृत

राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश	साधारण		कन्वेंशन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2012-13	2011-12	2012-13	2011-12	2012-13	2011-12
आंध्र प्रदेश	844	610	4	0	31	
अरुणाचल प्रदेश	1	3	0	0	0	19
असम	67	13	0	0	0	0
बिहार	46	27	1	0	0	0
चंडीगढ़	31	29	0	0	0	0
छत्तीसगढ़	25	12	0	0	0	0
दादर एवं नगर हवेली	6	5	0	0	0	0
दमन एवं दीव	4	1	0	0	0	0
दिल्ली	890	1040	6	0	34	26
गोवा	23	14	0	0	0	0
गुजरात	645	376	1	0	12	5
हरियाणा	287	201	1	0	1	1
हिमाचल प्रदेश	40	21	0	0	0	0
जम्मु एवं कश्मीर	35	15	0	0	0	0
झारखंड	115	102	1	3	0	0
कर्नाटक	1167	869	11	4	30	20
केरल	257	337	0	0	2	0
मध्य प्रदेश	111	67	0	0	1	2
महाराष्ट्र	2540	2643	4	4	146	123
मणिपुर	11	16	0	0	0	1
मेघालय	6	8	0	0	1	0
मिजोरम	2	1	0	0	0	0
नागालैंड	18	12	0	0	0	0
उड़ीसा	44	64	0	0	0	0
पाण्डिचेरी	7	11	0	0	2	0
पंजाब	107	72	0	0	2	1
राजस्थान	78	61	0	0	0	1
सिक्किम	4	4	0	0	0	0
तमिलनाडु	1212	1149	2	2	9	29
त्रिपुरा	12	7	0	0	0	0
उत्तर प्रदेश	478	389	0	1	4	0
उत्तरांचल	50	55	0	0	0	0
पश्चिम बंगाल	441	443	0	1	1	0
कुल	9604	8678	31	15	276	228

परिशिष्ट-ख जारी

राष्ट्रमंडल देश

देश	साधारण		कन्वेंशन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2012-13	2011-12	2012-13	2011-12	2012-13	2011-12
यु.के.	19	17	65	45	991	1125
आस्ट्रेलिय	2	3	10	9	325	318
कनाडा	6	5	51	54	438	514
श्रीलंका	0	0	0	0	3	1
आयरलैंड	16	15	24	29	61	73
न्यूजीलैंड	0	0	2	1	43	56
कुल	43	40	152	138	1861	2087

उत्तर व दक्षिण अमेरिका

देश	साधारण		कन्वेंशन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2012-13	2011-12	2012-13	2011-12	2012-13	2011-12
सं.रा.अ.	479	335	1071	1128	8745	9137
मैक्सिको	1	0	1	1	37	20
ब्राजील	1	0	10	15	60	67
बरमूडा	4	1	1	0	10	11
केमेन आइलैंड	0	0	4	0	10	7
वर्जिन आइलैंड	0	0	0	2	20	19
क्यूबा	0	0	0	0	6	5
कोलंबिया	0	0	0	1	6	5
अर्जेन्टीना	0	2	2	4	4	4
चिली	0	0	1	0	15	10
बहमास	1	1	0	0	3	7
बारबाडोस	0	0	0	0	11	13
पेरू	0	0	0	0	2	-
अरुबा	1	0	0	0	2	0
पराग्वे	0	0	0	0	7	0
जमैका	0	0	3	0	2	0
ब्रिटिश वर्जिनिया	1	0	1	0	2	0
सेंट विसेंट एण्ड द ग्रेनेडियेंस	0	0	0	0	2	0
बेलाइज	1	0	0	0	0	0
कुल	489	339	1094	1151	8944	9306

यूरोप

देश	साधारण		कन्वेंशन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2012-13	2011-12	2012-13	2011-12	2012-13	2011-12
इटली	4	12	113	152	534	548
जर्मनी	82	90	650	679	3364	3405
बेल्जियम	3	4	12	25	321	242
फ्रांस	87	109	189	145	1390	1418
स्पेन	18	7	28	26	203	189
स्विट्जरलैंड	105	84	198	211	1380	1376
फिनलैंड	43	67	33	16	321	337
आस्ट्रिया	2	1	18	0	252	37
नीदरलैंड्स	31	16	24	12	1148	1642
स्वीडन	19	11	15	10	885	872
डेनमार्क	6	2	20	30	335	354
पुर्तगाल	0	0	0	1	16	9
हंगरी	0	1	0	2	13	37
लग्जमबर्ग	0	1	3	8	82	74
रूस	1	1	3	6	81	64
रोमानिया	0	0	0	0	3	-
टर्की	0	0	1	0	24	18
स्लोवेनिया	0	0	0	0	9	19
नार्वे	4	2	1	0	110	136
साइप्रस	0	0	1	4	11	13
पोलैंड	1	0	4	1	37	27
मोनाको	0	0	0	0	1	2
बुल्गारिया	0	1	0	0	3	-
आइस लैंड	3	10	1	0	10	4
चेक गणराज्य	2	0	2	1	12	17
लिशेन्सटिन	1	0	8	13	11	12
यूक्रेन	0	0	2	1	5	8
स्लोवाकिया	0	1	0	1	5	6
ग्रीस	0	0	0	0	14	11
ब्रिटिश आइल्स	0	3	4	0	1	0
इस्टोनिया	0	0	0	0	5	0
जिब्राल्टर	0	0	0	0	2	3
लात्विया	0	0	0	0	2	4
बेलारूस	0	6	0	0	2	0
चैनल आइलैंड	0	0	0	0	2	-
क्रोएशिया	0	0	0	0	6	0
अन्य यूरोपीय देश	0	0	0	0	8	0
कुल	412	429	1330	1343	10608	10887

अफ्रीका

देश	साधारण		कन्वेंशन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2012-13	2011-12	2012-13	2011-12	2012-13	2011-12
दक्षिण अफ्रीका	0	1	3	1	61	69
मॉरिसस	3	0	1	1	0	2
सेशेल्स	4	3	0	0	5	4
स्वाजीलैंड	1	0	2	0	5	10
केन्या	0	0	1	0	0	2
इजिप्ट	0	0	0	0	1	3
ट्यूनिशिया	0	0	0	0	3	0
तंजानिया	1	0	0	0	0	0
अल्जिरिया	0	0	0	0	2	0
गबन	0	0	0	0	1	0
नाइजेरिया	0	0	0	0	1	0
बुर्किना फासो	0	0	0	0	1	0
माल्टा	0	0	0	0	7	9
कुल	9	4	7	2	87	99

एशिया

देश	साधारण		कन्वेंशन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2012-13	2011-12	2012-13	2011-12	2012-13	2011-12
जापान	59	75	1286	1294	4939	3980
कोरिया गणराज्य	42	0	106	0	584	0
चीन	7	15	58	58	957	1084
इजराइल	1	1	17	23	285	321
ताइवान	54	81	116	127	26	43
इंडोनेशिया	1	1	0	1	3	0
वियतनाम	0	0	0	0	2	2
सिंगापुर	8	7	6	4	56	69
मलेशिया	4	2	4	1	32	61
यू.ए.ई	5	3	0	0	3	3
नेपाल	1	0	0	0	2	0
थाइलैंड	0	1	0	1	12	6
ओमान	1	2	0	0	0	0
हाँग-काँग (चीन)	3	1	6	5	7	6
सउदी अरब	0	0	0	0	13	20
चाइनीज ताइपे	0	1	0	1	1	1
अजरबैजान	0	0	0	0	2	0
यमन	0	0	0	0	1	0
अफगानिस्तान	0	1	0	0	2	3
जोर्डन	0	0	0	0	1	0
पाकिस्तान	0	0	0	2	1	0
कुवैत	0	0	0	0	1	0
ईरान	0	0	0	0	1	1
बांग्लादेश	0	0	0	0	1	0
डेमोक्रटिक पीपुल्स कोरिया गणराज्य	0	0	0	0	1	0
भूटान	2	0	0	0	0	0
तुर्कमेनिस्तान	2	0	0	0	0	0
कतर	0	0	0	0	1	0
समोआ	1	0	2	0	1	0
कुल	191	191	1601	1517	6935	5600
कुल योग	10748	9709	4215	4295	28711	29193

परिशिष्ट 'ग'

पिछले 10 वर्षों में प्रवासी और भारत में रहने वाले द्वारा विभिन्न माध्यमों से दाखिल आवेदन

आवेदक	2003-2004	2004-2005	2005-2006	2006-2007	2007-2008	2008-2009	2009-2010	2010-2011	2011-2012	2012-2013
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
भारत में रहने वाले	3218	3630	4521	5314	6040	6161	7044	8312	8921	**9911**
प्रवासी										
साधारण	1678	3165	1008	693	834	661	826	616	1031	**1144**
कन्वेंशन	-	-	3509	3969	4453	4264	2986	3728	4280	**4184**
पीसीटी के तहत राष्ट्रीय फेज आवेदन	7717	10671	15467	19768	23891	25706	23131	26544	28965	**28435**
कुल योग	12613	17466	24505	28940	35218	36812	34287	39400	43197	**43674**

परिशिष्ट- "घ"

वर्ष 2002-2003 से 2012-13 की अवधि के दौरान एकस्व संबंधी विविध सूचना

वर्ष	दाखिल आवेदनों की संख्या	परीक्षण के लिए अनुरोधों की संख्या	धारा 9 (1) के अंतर्गत पूर्ण विनिर्देश दाखिल नहीं करने के कारण परित्यक्त मान लिए गए आवेदनों की संख्या	धारा 21 (1) के तहत अननुपालन के कारण परित्यक्त समझे गए आवेदनों की कुल संख्या	अनुदत्त एकस्व की संख्या		प्रभाव में एकस्व की संख्या	
					भारतीय	विदेशी	भारतीय	विदेशी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
2002-2003	11466		290	1633	494	885	1479	6519
2003-2004	12613	12362	933	1695	945	1524	2075	4331
2004-2005	17466	19001	267	775	764	1147	2200	4657
2005-2006	24505	21926	414	894	1396	2924	4486	11933
2006-2007	28940	20645	694	1121	1907	5632	3473	13593
2007-2008	35218	22146	1066	479	3173	12088	7966	21722
2008-2009	36812	30595	888	1075	2541	13520	6158	24664
2009-2010	34287	28653	2720	5171	1725	4443	6781	30553
2010-2011	39400	31493	185	5186	1273	6236	7301	32293
2011-2012	43197	33611	698	3800	599	3682	7545	32444
2012-2013	**43674**	**38247**	**361**	**4559**	**716**	**3410**	**8308**	**35612**

परिशिष्ट- ङ

आविष्कार के विविध क्षेत्रों के अंतर्गत 2008-2009 से 2012-2013 तक दाखिल एकस्व आवेदनों की संख्या

वर्ष	रसायन	भेषज	खाद्य	वैद्युतिक	यांत्रिकी	कम्प्युटर/ इलेक्ट्रोनिक्स	जैव-तकनीकी	सामान्य अभियांत्रिकी	अन्य क्षेत्र (परिशिष्ट ङ-1 देखें)	कुल
2008-2009	5884	3672	340	2319	6360	7063	1844	2946	6384	36812
2009-2010	6014	3070	276	2376	6775	7646	1303	885	5942	34287
2010-2011	6911	3526	315	2719	7782	9594	1497	1017	6039	39400
2011-2012	6698	2762	294	4160	9716	4225	788	822	13732	43197
2012-2013	6812	2954	452	3568	10198	4424	832	1561	12873	43674

परिशिष्ट-ङ 1

आविष्कार के अन्य विविध तथा नए क्षेत्रों के अंतर्गत 2012-13 के दौरान दाखिल एकस्व आवेदनों की संख्या

आविष्कार के क्षेत्र	**जैव चिकित्सा**	**जैव रसायन**	संचार	भौतिकी	सिविल	वस्त्र	धातुकर्म/ सामग्री विज्ञान	कृषि अभियंत्रणा	पोलिमर विज्ञान/ तकनीक	**माइक्रो बायोलॉजी**	एग्रो कैमिकल	पारंपरिक ज्ञान जैव/रसा/यांत्रिक
	*भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि
2012-2013	183/870	75/291	605/3558	411/2182	160/498	104/452	85/509	103/87	135/1290	113/454	113/373	भा =70/116/0=185 वि =36/19/02=57

* भा = भारतीय, वि = विदेशी

कुल परिशिष्ट - ङ 1 :- 12873

परिशिष्ट-च

आविष्कार के विविध क्षेत्रों के अंतर्गत वर्ष 2008-09 से 2012-2013 तक अनुदानित एकस्व की संख्या

वर्ष	रसायन	भेषज	खाद्य	वैद्युतिक	यांत्रिकी	कम्प्यूटर /इलेक्ट्रॉनिक्स	जैव-तकनीकी	सामान्य अभियंत्रणा	अन्य क्षेत्र (परिशिष्ट-च-1 देखें)	कुल
2008-2009	2376	1207	97	1140	3242	1913	1157	1318	3611	16061
2009-2010	1420	530	72	404	1024	1195	449	273	801	6168
2010-2011	1899	596	84	394	1458	892	165	350	1658	7509
2011-2012	1168	282	21	228	888	584	309	153	748	4381
2012-2013	1289	344	37	188	749	510	144	121	744	4126

परिशिष्ट -च1

आविष्कार के विविध अन्य और नए क्षेत्रों के अंतर्गत वर्ष 2012-2013 के दौरान अनुदानित एकस्व आवेदनों की संख्या

आविष्कार के क्षेत्र	जैव चिकित्सा	जैव-रसायन	संचार	भौतिकी	सिविल	वस्त्र	धातुकर्म/सामग्री विज्ञान	कृषि अभियंत्रणा	पॉलिमर साइंस/तकनीकी	कृषि रसायन	माइक्रो बायोलॉजी
	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.
2012-2013	0/11	1/16	21/252	7/58	3/31	5/56	11/42	3/1	12/157	5/25	7/20

* भा. = भारतीय, वि. विदेशी

कुल परिशिष्ट - च 1:-744

परिशिष्ट-छ

अधिनियम व नियम के तहत विभिन्न कार्यवाहियों के संदर्भ में वर्ष 2012-13 के दौरान प्राप्त शुल्क

क्र.सं.	एकत्रित शुल्क के संदर्भ	प्राप्त कुल राशि (रू.)
1	एकस्व हेतु नया आवेदन अनंतिम/पूर्ण विनिर्देश के साथ	771599000
2	अनंतिम विनिर्देश के बाद पूर्ण -फॉर्म 2	8339200
3	फॉर्म 4 पर एकस्व के नवीकरण हेतु समय विस्तार/नए अनुदानित एकस्व हेतु बाकी शुल्क/फॉर्म 5 दाखिल करने में देरी	2826300
4	उत्तर दिनांकन के लिए आवेदन	507000
5	आवेदन का प्रतिस्थापन/परिवर्तन -फॉर्म 6	5797500
6	उत्तरजीवी/अन्य पक्षों के नाम में कार्यवाही जारी रखने का अनुरोध	2000
7	विरोध की सूचना -फॉर्म 7	96000
8	सुनवाई में उपस्थिति हेतु सूचना - कोई फॉर्म नहीं	42000
9	किसी एकस्व में आविष्कारक के रूप में उल्लेख -फॉर्म 8	744500
10	शीघ्र प्रकाशन हेतु अनुरोध -फॉर्म 9	7852500
11	तीसरे वर्ष से बीसवें वर्ष तक एकस्व का नवीकरण	462759500
12	एकस्व संशोधन हेतु आवेदन -फॉर्म 10	3000
13	अनुदान पूर्व आवेदन का संशोधन -फॉर्म 13	11333000
14	अनुदानोत्तर आवेदन का संशोधन -फॉर्म 13	118000
15	नाम/पता/राष्ट्रीयता/सेवार्थ पता मे परिवर्तन -फॉर्म 13	8980800
16	एकस्व का प्रत्यावर्तन -फॉर्म 15	645000
17	प्रत्यावर्तन हेतु अतिरिक्त शुल्क	1458000
18	एकस्व परित्याग का प्रस्ताव	8000
19	आवेदन का प्रत्याहरण	1179000
20	एकस्व रजिस्टर में प्रविष्टि के लिए -फॉर्म 16	7620000
21	एकस्व रजिस्टर में प्रविष्टि के बदलाव के लिए	1026200
22	अतिरिक्त सेवार्थ पते की प्रविष्टि हेतु	36000
23	अनिवार्य लाइसेंस हेतु आवेदन -फॉर्म 17	36000
24	18 महीने के प्रकाशन के बाद परीक्षण हेतु अनुरोध -फॉर्म 18	340090000
25	त्वरित परीक्षण हेतु अनुरोध -फॉर्म 18	2281500
26	अनिवार्य लाइसेंस की समाप्ति -फॉर्म 21	6000
27	एकस्व अभिकर्ता के रूप में पंजीकरण -फॉर्म 22	14000
28	अभिकर्त्ता परीक्षा में उपस्थित होने के लिए अनुरोध	46000
29	रजिस्टर में अभिकर्त्ता का नाम जारी रखने -प्रथम वर्ष	3500
30	रजिस्टर में अभिकर्त्ता का नाम जारी रखने -द्वितीय वर्ष से	813500
31	एकस्व अभिकर्त्ता के लिए अनुलिपि प्रमाण पत्र	2000
32	रजिस्टर में अभिकर्त्ता के नाम का प्रत्यावर्तन -फॉर्म 23	46000
33	लिपिकीय त्रुटियों का सुधार	195000
34	नियंत्रक के निर्णय की समीक्षा हेतु आवेदन -फॉर्म 24	85000
35	भारत के बाहर एकस्व आवेदन करने हेतु अनुमति -फॉर्म 25	8592010

36	अनुलिपि **एकस्व** (एल पी) हेतु आवेदन	46000
37	सत्यापित प्रतियों की आपूर्ति	12432000
38	प्रत्येक मुद्रित, कार्यालय प्रतियों के प्रमाणन हेतु	8000
39	रजिस्टर की जाँच हेतु अनुरोध	462400
40	सूचना हेतु अनुरोध	534000
41	**एकस्व** अभिकर्त्ता के प्राधिकार का फॉर्म -फॉर्म 26	4000
42	प्राधिकता दस्तावेज दाखिल करने में देरी/अनियमितता ठीक करने/देरी ठीक करने हेतु याचिका	26238000
43	दस्तावेज की छाया प्रति की आपूर्ति	208272
44	अंतर्राष्ट्रीय आवेदन हेतु पारेषण शुल्क	5446000
45	प्राधिकता दस्तावेज की सत्यापित प्रति तैयार करना	2631000
46	पेटेंटकृत आविष्कार के जारी रहने का कथन -फॉर्म 27	193000
47	विरोध की सूचना	22500
48	लाइसेंस के नियम और शर्तों के पुनरीक्षण हेतु आवेदन	6000
49	सुनवाई में उपस्थित होने की सूचना	18000
50	लिखित एवं उत्तर कथन	2500
51	विविध	10018676
52	गैर राजस्व	1326690
53	सूचना अधिकार	4609
54	**कुल**	170,47,84,657

अध्याय - V

अभिकल्प

1. परिचय:

अभिकल्प अधिनियम, 2000 अपने पूर्ववर्ती 1911 के अधिनियम को निरस्त कर दिनांक 11 मई 2001 से प्रभावी हुआ। यह अधिनियम और तत्संबंधी अभिकल्प नियम, 2001 अभिकल्प (संशोधन) नियम, 2008 द्वारा यथा संशोधित जिसे 17 जून, 2008 से लागू किया गया था, औद्योगिक अभिकल्प का बौद्धिक सम्पदा अधिकार के रुप में पंजीकरण एवं संरक्षण का अवसर प्रदान करता है। इसमें विद्यमान अधिनियम की धारा 19 के अंतर्गत निरस्तीकरण, धारा 31 के तहत परिशुद्धि तथा धारा 12, 13 और 14 के तहत प्रत्यावर्तन सहित विद्यमान पंजीकृत अभिकल्पों तथा अन्यान्य उत्तर पंजीकरण कार्य के दौरान प्रतिनिध्यधिकार का विस्तार शामिल है।

औद्योगिक अभिकल्प पृष्ठ भाग का ढंग तथा साज-सज्जा तथा पंक्तियों एवं रंग के संयोजन के साथ-साथ नये आकार व संरचनाओं के वैशिष्ठ्य का सृजन तथा दृष्टिगत अनुरोध के संवर्द्धन हेतु वस्तुओं में प्रयुक्त अलंकरण को प्रमाणित करता है।

अभिकल्प (संशोधन) नियम, 2008 के अनुरूप किसी वस्तु के लिए प्रयुक्त अभिकल्प पंजीकरण के आवेदनों को उनके अन्तर्राष्ट्रीय वर्गीकरण प्रणाली (लोकार्नो वर्गीकरण, तृतीय अनुसूची) के अनुसार वर्गीकृत किया जाता है जिससे बेहतर खोज की जा सके।

एन.आई.सी के साथ मिलकर **एकस्व** कार्यालय के अभिकल्प स्कन्ध के संपूर्ण कम्प्यूटरीकरण की दिशा में कई गतिविधियों की शुरूआत की गई है। अभिकल्प आवेदन का डिजिटाइजेशन 1997 से जारी है और कोलकत्ता, दिल्ली, मुम्बई और चेन्नई स्थित सभी कार्यालयों में आवेदन संख्या स्वयं सृजित करने की व्यवस्था स्थापित करने एवं ई-रजिस्टर की तैयारी पहले ही स्थापित की जा चुकी है। अभिकल्प आवेदनों का परीक्षण अभिकल्प मॉड्यूल के माध्यम से इलेक्ट्रोनिक रुप में **1 अप्रैल 2009** से ही प्रारंभ किया जा चुका था। इसके आवेदन की अद्यतन स्थिति शासकीय वेबसाइट पर इलेक्ट्रोनिक रूप में उपलब्ध करा दी गई है। हालाँकि, अभिकल्प आवेदनों की ई-फाइलिंग और आवेदनों का डिजिटाइजेशन तथा सार्वजनिक खोज हेतु प्रावधान अभी विकसित किए जा रहे हैं। अभिकल्प संबंधी बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के प्रति जागरूकता सृजित करने के उद्देश्य से जन जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया गया और अधिकारियों को विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सिम्पोजिया में विशेषज्ञ के रूप में भेजा गया।

2. दाखिल एवं पंजीकृत अभिकल्प आवेदन

वर्ष के दौरान अभिकल्प पंजीकरण हेतु दाखिल आवेदनों की संख्या **8337** थी। भारत में आवेदकों द्वारा **5428** आवेदन दाखिल किए गए जबकि शेष **2909** आवेदन विदेशों से उद्गमित हुए। इस वर्ष भी पंजीकरण हेतु अभिकल्प आवेदन दाखिल करने में विदेशी आवेदकों की तुलना में भारतीय आवेदक अग्रणी रहे।

दाखिल आवेदन एवं पंजीकृत डिजाइन

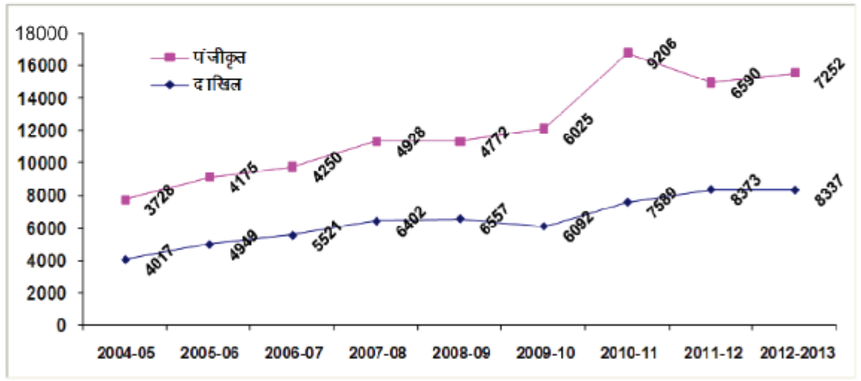

भारतीय एवं विदेशी नागरिकों द्वारा दाखिल आवेदन

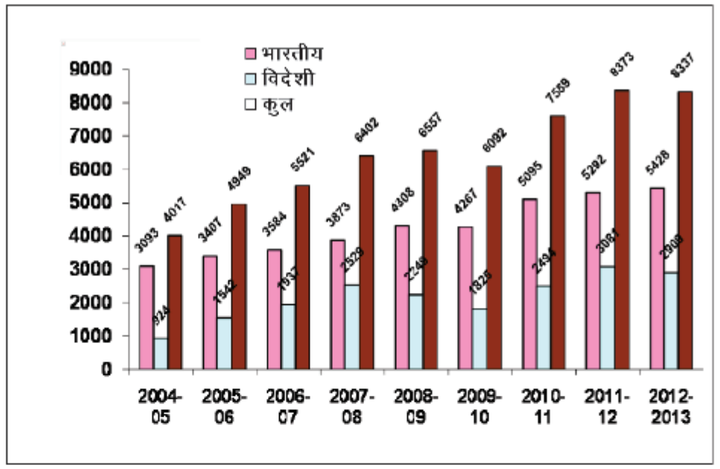

विदेशों से उद्गामित आवेदनों के संदर्भ मे सं.रा.अ. आवेदनों की अधिकतम संख्या (886) के साथ अग्रणी रहा जिसके बाद क्रमशः जर्मनी 554, जापान 544, स्विट्जरलैंड 193, नीदरलैंड 142, यू.के.133, इटली 117, फ्रांस 108, स्वीडन 84, चीन 79, कोरिया गणतंत्र 71, फिनलैंड 41, चेक गणराज्य 37, डेनमार्क 32, बेल्जियम 29, इजराइल 25, मलेशिया 21, स्पेन 20, आस्ट्रेलिया 18 और ब्राजील 18 का स्थान रहा। भारत एवं अन्य कन्वेंशन देशों के बीच पारस्परिक व्यवस्था के तहत 2909 आवेदनों ने प्राथिकता दावे दाखिल किए।

विदेशी कम्पनियों में माइक्रोसॉफ्ट कार्पोरेशन (126), मैन ट्रक एवं बस एजी (120), कोनिनक्लीके फिलिप्स इलेक्ट्रॉनिक्स एन.वी. (101), होन्डा गोटर कम्पनी लिमिटेड (67), याजाकी कॉर्पोरेशन (59), डार्ट इंडस्ट्रीज इंक. (46), हिन्दुस्तान यूनीलीवर लिमिटेड (45), कोलगेट-पामोलिव कम्पनी (26) आदि अग्रणी रहीं।

इसी प्रकार, भारतीय कम्पनियों में बीबा अप्पारेलस प्र. लि. (273 दाखिल, 224 पंजीकृत), मा डिजाइन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (226 दाखिल, 215 पंजीकृत), क्रॉम्पटन ग्रीव्स लि.(180 दाखिल, 180 पंजीकृत), गोदरेज एंड बॉयस मै.कं. लि. (63 दाखिल, 59 पंजीकृत), पैरी मरे एंड कं.लि. (43 दाखिल, 43 पंजीकृत), बजाज ऑटो लि. (43 दाखिल, 33 पंजीकृत), लार्सन एण्ड टूब्रो लि. (37 दाखिल, 23 पंजीकृत), यश अग्रवाल (29 दाखिल, 28 पंजीकृत), श्री सौरव अग्रवाल (26 दाखिल, 18 पंजीकृत), एच.एस.आई.एल लि.(19 दाखिल, 17 पंजीकृत) आदि अग्रणी थे।

3. अभिकल्प आवेदनों का परीक्षण

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान दाखिल सभी 8337 आवेदन विगत वर्ष के 1463 लंबित आवेदनों के साथ परीक्षण हेतु लिए गए। इन (कुल 9800 आवेदनों) में से 6776 आवेदनों का परीक्षण किया गया, 3 आवेदनों को डिजाइन अधिनियम तथा इसके तहत निर्मित नियमों के अंतर्गत अस्वीकृत किया गया और 45 आवेदन परित्यक्त किए गए। वर्ष के दौरान पंजीकृत अभिकल्पों की संख्या 7252 थी। कुल पंजीकृत अभिकल्पों में से 4662 आवेदन भारत से उद्गमित हुए और शेष 2590 आवेदन विदेशों से प्राप्त हुए। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान कुल 2909 प्राथिकता आवेदन दाखिल किए गए। वर्ष के अंत तक कुल 1209 आवेदन परीक्षण हेतु लंबित रहे।

4. प्रतिलिप्यधिकार विस्तार [धारा 11(2) के तहत]

वर्ष 2012-2013 के दौरान पंजीकृत अभिकल्पों में प्रतिलिप्यधिकार विस्तार के लिए 912 आवेदन प्राप्त किए गए। इन्में से 759 पंजीकृत अभिकल्पों का आगामी 5 वर्षों के लिए नवीकरण इस वर्ष के दौरान किया गया, जबकि शेष मामलों पर कार्यवाही की गई।

वर्ष के दौरान अभिकल्प के प्रत्यावर्तन के लिए 67 आवेदन दाखिल किए गए जिनमें से 32 आवेदनों के संदर्भ में अंतिम आदेश जारी कर दिया गया है, जबकि शेष मामलों पर उपयुक्त कार्यवाही प्रारम्भ की गई है।

5. विविध कार्यवाहियाँ

पंजीकृत अभिकल्पों का निरस्तीकरण [धारा 19 के तहत]: वर्ष के दौरान पंजीकृत अभिकल्पो के निरस्तीकरण के लिए 57 आवेदन प्राप्त किए गए, जिनके लिए 132 सुनवाइयाँ प्रदान की गयी, तथा वर्ष के दौरान 49 मामलों में आदेश जारी किए गए। शेष आवेदनों पर अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जा रही है।

जनता द्वारा निरीक्षण [नियम 38 के तहत]: वर्ष के दौरान 63 बार अभिकल्प पंजी का निरीक्षण किया गया।

नाम और पते में परिवर्तन [नियम 31 के तहत]: वर्ष के दौरान नाम, पते एवं सेवार्थ पते में परिवर्तन हेतु 1125 अनुरोध प्राप्त हुए, जिनमें से 807 मामलों में आदेश जारी कर दिया गया है। शेष मामलों की कार्यवाही प्रारम्भ की गई है। इसी प्रकार वर्ष के दौरान लिपिकीय त्रुटियों के परिमार्जन हेतु 54 अनुरोध प्राप्त हुए एवं उनका निपटारा कर दिया गया।

नियम 41 तथा धारा 17 (2) के तहत सत्यापित प्रतियां: वर्ष के दौरान 601 अनुरोध दाखिल किए गए और 20 अनुरोध वर्ष के अंत तक लंबित रहे।

समनुदेशन [धारा 30 व 30(3) के तहत]: वर्ष के दौरान अधिनियम की धारा 30 एवं 30(3) के तहत समनुदेशन हेतु 154 अनुरोध दाखिल किए गए। 108 मामलों का निप्टारा कर दिया गया जबकि शेष अनुरोधों पर कार्यवाही की जा रही है।

अभिकल्प रजिस्टर का परिशोधन [धारा 31 के तहत]: वर्ष के दौरान धारा 31 के तहत अभिकल्प रजिस्टर के परिशोधन हेतु 10 अनुरोध प्राप्त हुए एवं उन सभी पर कार्यवाही की गई। नियम 40 के तहत कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई।

6. राजस्व

वर्ष के दौरान एकस्व अधिनियम, 2000 और उसके तहत निर्मित नियमों के अंतर्गत अभिकल्प आवेदनों और अन्य कार्यवाहियों के संदर्भ में विभिन्न शुल्कों से एकस्व कार्यालयों (कोलकाता, दिल्ली, मुम्बई एवं चेन्नई) ने कुल रू.1,29,32,740 का राजस्व अर्जित किया।।

दाखिल आवेदन व अर्जित राजस्व

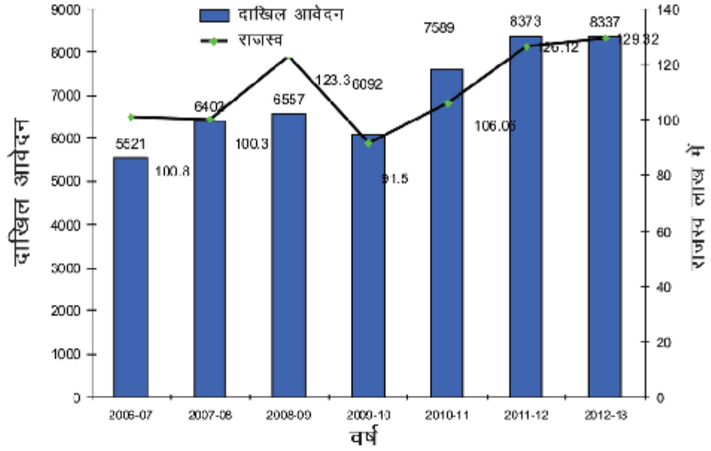

परिशिष्ट- क

वर्ष 2012-2013 के दौरान अभिकल्प से उत्पादित राजस्व

प्रलेखों का विवरण	संख्या	शुल्क (रू.)	राशि (रू.)
अभिकल्प अधिनियम, 2000 की धारा 5 एवं 44 के तहत अभिकल्प के पंजीकरण हेतु आवेदन (दिल्ली, मुम्बई एवं चेन्नई एकस्व कार्यालयों में प्राप्त आवेदनों सहित)। कोलकाता एकस्व कार्यालय में 3599 अभिकल्प आवेदन दाखिल किए गए हैं।	8337	1000	83,37,000
धारा 11(2) के तहत प्रतिलिप्यधिकार के विस्तार हेतु आवेदन	912	2000	18,24,000
धारा 12(2) के तहत व्यपगत अभिकल्प का प्रत्यावर्तन	67	1000	67,000
धारा 19 के तहत अभिकल्प का निरस्तीकरण	57	1500	85,500
धारा 26 और 17 (2) के तहत सत्यापित प्रति	601	500	3,00,500
अभिकल्प अधिनियम, 2000 व अभिकल्प नियम, 2001 के तहत प्राप्त अन्य विविध शुल्क, दिल्ली, मुम्बई एवं चेन्नई एकस्व कार्यालयों में प्राप्त आवेदनों सहित। अधिकांश शुल्क एकस्व कार्यालय कोलकाता में जमा कराया गया है।			23,18,740
कुल योग			**1,29,32,740**

परिशिष्ट- ख

दाखिल एवं पंजीकृत अभिकल्प आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	दाखिल	पंजीकृत
2004-05	4017	3728
2005-06	4949	4175
2006-07	5521	4250
2007-08	6402	4928
2008-09	6557	4772
2009-10	6092	6025
2010-11	7589	9206
2011-12	8373	6590
2012-13	**8337**	**7252**

परिशिष्ट- ग

उद्गम के अनुसार दाखिल एवं पंजीकृत अभिकल्प आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	दाखिल		पंजीकृत	
	भारतीय	विदेशी	भारतीय	विदेशी
2004 05	3093	924	3166	562
2005-06	3407	1542	3439	736
2006-07	3584	1937	2877	1373
2007-08	3873	2529	3026	1902
2008-09	4308	2249	2985	1787
2009-10	4267	1825	3552	2473
2010-11	5095	2494	6369	2837
2011-12	5292	3081	4162	2428
2012-13	**5428**	**2909**	**4662**	**2590**

प्रवृत्त अभिकल्प: प्रतिवेदन वर्ष के अंत तक प्रवृत्त पंजीकृत अभिकल्पों की संख्या 42786 रही।

अध्याय - VI

व्यापार चिह्न

1.परिचय

यह अध्याय व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 तथा उसके अधीन बने नियमों के तहत व्यापार चिह्न रजिस्ट्री द्वारा वर्ष 2012-2013 के दौरान निष्पादित गतिविधियों से संबंधित 54वाँ वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करता है।

व्यापार चिह्न अधिनियम का उद्देश्य वस्तुओं व सेवाओं के व्यापार चिह्न के पंजीकरण व उसको सुरक्षा प्रदान करना है और देश में वाणिज्य वस्तु पर नकली व्यापार चिह्न के उपयोग को रोकना है। व्यापार चिह्न का पंजीकरण पंजीकृत स्वत्वधारी को कतिपय सांविधिक अधिकार प्रदान करता है, जो उसे व्यापार चिह्न के अतिलंघन की स्थिति में अतिलंघन करने वाले के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई हेतु सक्षम बनाता है, चाहे वह व्यापार चिह्न प्रयोग में हो या नहीं। यह उन सामान्य कानून अधिकार के अतिरिक्त है जहां पासिंग ऑफ के अंतर्गत मुकदमा चलाया जा सकता है। व्यापार चिह्न रजिस्ट्री व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 तथा उसके अधीन बने नियमों को प्रशासित करता है। यह अधिनियम तथा संबंधित नियम दिनांक 15 सितंबर, 2003 से प्रभाव में है। रजिस्ट्री का मुख्यालय मुंबई में है तथा इसकी शाखाएं दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और अहमदाबाद में स्थित हैं। देश में बौद्धिक सम्पदा अधिकार के विषय में सामान्य रूप से तथा व्यापार चिह्न के संबंध में विशेष रूप से बढ़ती जागरुकता के कारण व्यापार चिह्न रजिस्ट्री की भूमिका तथा उत्तरदायित्व में काफी बढ़ोतरी हुई है। व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 के अधीन सेवाओं के व्यापार चिह्न, सुविख्यात चिह्न, सामूहिक चिह्न की संरक्षा तथा बहु वर्ग (मल्टी क्लास) आवेदनों हेतु प्रावधान इत्यादि को शामिल किए जाने से इस भूमिका में और बढ़ोतरी हुई है। रजिस्ट्री भुगतान गेटवे के माध्यम से वेब आधारित सेवाएं देने की प्रक्रिया में है जिसमें सभी व्यापार चिह्न फॉर्म और उनके शुल्क के भुगतान की ई-फाईलिंग की सुविधा भी शामिल है। इसके अतिरिक्त व्यापार चिह्न रजिस्ट्री पर व्यापार चिह्न से संबंधित वायपो की स्थायी समिति के व्याख्यानों का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनुसरण करने के साथ ही डोमेन नाम तथा इंटरनेशनल नॉन प्रोपरायटरी नामों जैसे उभरते मुद्दों के लिए सुझाव प्रदान करने की जिम्मेदारी भी है। उपर्युक्त के साथ साथ, व्यापार चिह्न रजिस्ट्री समय समय पर बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के क्षेत्र में जागरुकता संबंधी गतिविधियाँ भी चलाती है।

2. वर्ष 2012-2013 के दौरान गतिविधियों की प्रवृत्ति

वर्ष 2012-2013 के दौरान व्यापार चिह्न रजिस्ट्री द्वारा की गई गतिविधियों संबंधी जानकारी निम्नलिखित सारणी में प्रदान की गई है। आवेदन दाखिल करने की प्रवृत्ति यह इंगित करती है कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष दाखिल आवेदनों की संख्या अधिक रही है। तुलनात्मक रूप में पिछले वर्ष की आवेदनों की संख्या में 10628 की बढ़ोतरी हुई। फाइल किए गए, परीक्षित एवं पंजीकृत आवेदन संबंधी जानकारी परिशिष्ट-I में दी गई है।

क्रम संख्या	गतिविधियाँ	2011-2012	2012-2013
1.	पंजीकरण के लिए फाइल किए गए आवेदन	1,83,588	1,94,218
2.	व्यापार चिह्न पत्रिका में विज्ञापित आवेदनों की संख्या	44,770	74,871
3.	पंजीकृत व्यापार चिह्नों की संख्या	51,735	44,361
4.	अन्यथा रूप में (अस्वीकृति, परित्याग और वापसी द्वारा) निष्पादित परीक्षण उपरान्त आवेदनों की संख्या	6,132	25,375

5.	पंजीकरण का नवीकरण किए जानेवाले चिह्नों की संख्या	17,717	24,828
6.	पंजीकृत व्यापार चिह्न (समनुदेशन सहित) में पंजीकरण के बाद किए गए परिवर्तनों की प्रविष्टि हेतु निष्पादित अनुरोधों की संख्या	3,150	14,078
7.	प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम,1983 की धारा 45(1) के तहत जारी प्रमाण पत्र	2,809	1,284

3. व्यापार चिह्न आवेदन दाखिल करने की प्रवृत्ति :

भारत में व्यापार चिह्न के पंजीकरण के लिए दाखिल किए जा रहे आवेदनों की प्रवृत्ति में निरंतर वृद्धि देखी गई है। वर्ष 2012-2013 में भारतीयों द्वारा फाइल किए गए आवेदनों की संख्या 1,79,436 थी जबकि विदेशी आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या 14,780 थी।

2008-09 से 2012-13 के दौरान दाखिल आवेदनों का प्रवृत्ति

वर्ष	भारतीय आवेदक	विदेशी आवेदक	कुल
2008 09	1,19,371	10,801	1,30,172
2009-10	1,34,403	7,540	1,41,943
2010-11	1,67,701	11,616	1,79,317
2011-12	1,69,602	13,986	1,83,588
2012-13	1,79,436	14,780	1,94,216

4. विभिन्न प्रकार के व्यापार चिह्न के लिए प्राप्त आवेदनों की प्रवृत्ति:

वर्ष 2012-13 के दौरान विभिन्न प्रकार के व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति निम्न प्रदत्त सारणी में दर्शायी गई है। ऐसा देखा गया है कि कुल मिलाकर 1,41,301 अभिलक्षण चिह्न वाले आवेदन फाइल किए गए जो कुल फाइलिंग का लगभग 72.75% है और इसी प्रकार शब्द चिह्न वाले कुल 52,865 आवेदन फाइल किए गए जो कुल फाइलिंग का 27.25% है।

दाखिल किए गए विभिन्न प्रकार के व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति

चिह्नों के प्रकार	2011-12	2012-13
अभिलक्षण चिह्न	1,21,006	1,41,301
शब्द चिह्न	62,205	52,865
अंक चिह्न	358	20
वर्ण चिह्न	19	10
कुल	1,83,588	1,94,216

5. वर्गानुसार दाखिल किए गए आवेदनों की प्रवृत्ति :

वर्ष 2012-13 के दौरान दाखिल किए गए व्यापार चिह्न आवेदनों की वर्गानुसार प्रवृत्ति निम्न प्रदत्त सारणी में दर्शायी गई है। पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी सबसे ज्यादा आवेदन वर्ग 5 के अंतर्गत की वस्तुओं (भेषजीय, पशु चिकित्सीय तथा आरोग्यकारक पदार्थों आदि) के लिए प्राप्त हुए हैं।

व्यापार चिह्न के पंजीकरण हेतु दाखिल आवेदनों के वर्गानुसार वितरण का विवरण

वर्ग	वस्तुएं	दाखिल आवेदन	कुल दाखिल आवेदनों का %
1	उद्योग, विज्ञान, फोटोग्राफी, कृषि, बागबानी, वानिकी, खाद आदि में उपयोग में लाए जाने वाले रासायनिक पदार्थ	3004	.55
2	पेंट और वार्निश	1241	0.64
3	सुगंधित पदार्थ, अंगराग आदि	6839	3.52
4	औद्योगिक तेल और चिकनाइयाँ (खाद्य तेल के अलावा) आदि	984	0.51
5	औषधीय, भेषजीय, पशु चिकित्सीय और आरोग्यकारक पदार्थ आदि	31942	16.45
6	अन-रॉट और अंशतः रॉट सामान्य धातु एवं उनके मिश्र धातु आदि	2881	.48
7	मशीन और मशीनी औजार, मोटरें, आदि	4912	2.53
8	हाथ से काम करने के औजार और उपकरण आदि	809	0.42
9	वैज्ञानिक, नाविक, सर्वे, विद्युत उपकरण आदि	9119	4.85
10	शाल्यिक, औषधीय, दंत और पशुचिकित्सा उपकरण और यंत्र आदि	1917	0.99
11	प्रकाशन साधित्र, तापक आदि	4477	2.31
12	वाहन और उनके पूर्जे, यंत्र, भूमि पर, व्योम में अथवा जल पर चलने के यंत्र आदि	2567	.32
13	अग्न्यास्त्र, गोला बारूद और क्षेपित्र आदि	236	0.12
14	बहुमूल्य धातु और उनकी मिश्र धातु आदि	2022	.04
15	संगीत के यंत्र (बोलने वाली मशीन और वागरलेस उपकरण के अतिरिक्त)	276	0.14
16	कागज और कागज की वस्तुएं, लेखन सामग्री, छपी सामग्री आदि	5067	2.61
17	गट्टा पर्चा, भारतीय रबर आदि	1867	0.96
18	चमडे और कृत्रिम चमड़े आदि	1455	0.75
19	भवन निर्माण सामग्रियाँ आदि	3513	.81
20	फर्नीचर, आईने आदि	1804	0.93
21	छोटे घरेलू बर्तन आदि	1984	.02
22	रस्सी, सुतली आदि	429	0.22
23	सूत और धागे	447	0.23
24	टिशू (खंडित वस्तुएं) आदि	2984	1.54
25	बूट, जूते और स्लीपर सहित पहनने की वस्तुएं	10498	5.41
26	गोटा और कसीदा, फीता और चोटी आदि	596	0.31
27	गलीचे, लोई, चटाइयां आदि	412	0.21
28	खेल और खेलने की चीजें आदि	1135	0.58
29	मांस, मछली, मुर्गी पालन आदि	4466	2.30
30	कॉफी, चाय, कोको आदि	10248	5.28

31	कृषि, बागवानी और वन्य उत्पाद और अनाज जो अन्य वर्गों के अंतर्गत नहीं है	3612	1.86
32	बीयर, एल और पोर्ट, खनिज और वातित जल और अन्य अमद्यसारिक पेय जो अन्य वर्गों के अंतर्गत नहीं है	3683	1.90
33	वाइन, स्प्रिट और मद्य पेय	1240	0.64
34	तम्बाकू, कच्चा या निर्मित, धूम्रपान करने वालों के लिए चीजें, दियासलाइयां	2046	1.05
35	विज्ञापन, कारोबार प्रबन्ध, कारोबार प्रशासन, कार्यालय कृत्य	15330	7.89
36	बीमा, वित्तीय कार्य, आर्थिक कार्य, सम्पदा कार्य	4223	2.17
37	भवन निर्माण, मरम्मत, संस्थापन सेवाएं	4203	2.16
38	दूरसंचार	2270	1.17
39	यातायात, माल की पैकिंग और भंडारण, यात्रा इंतजाम	2304	1.19
40	सामग्री का उपचार	887	0.46
41	शिक्षा; प्रशिक्षण देना, मनोरंजन; क्रीड़ा और सांस्कृतिक क्रियाकलाप	10372	5.34
42	वैज्ञानिक और तकनीकी सेवाएं तथा उनसे संबंधित शोध और अभिकल्प, औद्योगिक विश्लेषण और शोध सेवाएं, कम्प्यूटर हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर का अभिकल्प और विकास	5316	2.74
43	खाद्य और पेय उपलब्ध कराने हेतु सेवाएं; अस्थायी निवास	5260	2.71
44	चिकित्सा सेवाएं ; पशुचिकित्सा सेवाएं; मानव या पशुओं के लिए स्वच्छता और सौन्दर्य देखभाल; कृषि, बागवानी तथा वन्य सेवाएं,	3462	1.78
45	विधिक सेवाएं; सम्पत्ति और व्यक्तियों की सुरक्षा हेतु सुरक्षा सेवाएं; व्यक्तियों की आवश्यकता पूर्ति के लिए अन्य लोगों द्वारा प्रदान की जाने वाली व्यक्तिगत और सामाजिक सेवाएं	1923	0.99
99	बहु वर्ग	7654	3.94
	कुल	1,94,216	100.00

6. शाखानुसार दाखिल किए गए आवेदनों की प्रवृत्ति :

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान व्यापार चिह्न रजिस्ट्री दिल्ली शाखा में अधिकतम संख्या (74,014) में आवेदन दाखिल किए गए जिसके बाद क्रमशः मुंबई (51,726), चेन्नई (34,374), अहमदाबाद (19,564) एवं कोलकाता (14,538) का स्थान आता है।

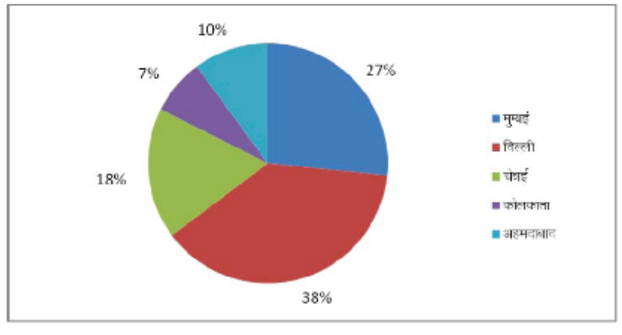

वार्षिक प्रतिवेदन 2012-2013

7. व्यापार चिह्न का पंजीकरण एवं अन्य गतिविधियाँ :

वर्ष 2012-13 के दौरान पंजीकृत व्यापार चिह्नों की संख्या 44,361 रही जबकि पिछले वर्ष के दौरान 51,735 चिह्न पंजीकृत किए गए थे। अस्वीकृति, परित्याग और वापसी द्वारा इस वर्ष 25,375 आवेदन निष्पादित किए गए जबकि विगत वर्ष के दौरान इस प्रकार के 6,132 आवेदन निष्पादित किए गए थे।

वर्ष के दौरान नवीकृत किए गए पंजीकृत व्यापार चिह्नों की संख्या 24,828 रही। पंजीकृत व्यापार चिह्नों (समनुदेशन सहित) में पंजीकरण के उपरांत परिवर्तन करने हेतु प्राप्त 16,115 अनुरोधों का निष्पादन वर्ष के दौरान कर दिया गया जबकि विगत वर्ष के दौरान ऐसे 3,150 अनुरोध निष्पादित किए गए थे।

इसके अतिरिक्त, कानूनी कार्यवाहियों में उपयोग के लिए या विदेशों में पंजीकरण प्राप्त करने हेतु 1,701 प्रमाणपत्र जारी किए गए।

वर्ष 2012-13 के दौरान प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम, 1957 की धारा 45 (1) के तहत 1,284 प्रमाण पत्र प्रतिलिप्यधिकार के रूप में कलात्मक कार्य के पंजीकरण हेतु जारी किए गए।

रजिस्ट्री ने व्यापार चिह्न पंजीकरण के लिए विगत वर्ष के 44,770 विज्ञापनों की तुलना में 74,871 आवेदन व्यापार चिह्न जर्नल में विज्ञापित किए। पिछले पाँच वर्षों में व्यापार चिह्न जर्नल में विज्ञापित व्यापार चिह्नों की प्रवृत्ति परिशिष्ट II में दिखाई गई है।

रजिस्ट्री ने व्यापार चिह्न अधिनियम और नियम के अधीन विरोध और परिशोधन कार्यवाहियां भी की। इस वर्ष के दौरान विरोध और परिशोधन की 13,101 सूचनाएं प्राप्त हुई इनमें से 3,240 विरोध और पंजीकरण निरस्त कर अथवा उसे बदलकर रजिस्टर में परिशोधन करने के लिए आवेदन मुंबई स्थित मुख्य कार्यालय में प्राप्त हुए और शेष कोलकाता, चेन्नई, नई दिल्ली और अहमदाबाद में स्थित शाखा कार्यालयों में प्राप्त हुए। विगत वर्ष में निष्पादित 4,200 मामलों की तुलना में इस वर्ष के दौरान 7,837 मामले निष्पादित किए गए।

वर्ष के दौरान सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत प्राप्त अनुरोधों की संख्या 1,307 थी और इन सभी 1,307 अनुरोधों का निष्पादन कर दिया गया।

8. वर्गानुसार पंजीकृत किए गए व्यापार चिह्नों का विवरण

निम्न प्रदत्त सारणी वर्ष 2012-13 के दौरान पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या का वर्गानुसार विवरण प्रस्तुत करती है। यह देखा गया है कि वर्ग-5 के अंतर्गत 7,015 व्यापार चिह्न पंजीकृत किए गए जो कुल पंजीकरण का 15.81% है, जिसके बाद वर्ग-35 आता है जो 6.97% है। हालाँकि विविध वर्गों में 1,719 व्यापार चिह्न पंजीकृत हुए थे जो कुल पंजीकृत आवेदन का लगभग 3.88% है।

पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या का वर्गानुसार विवरण

वर्ग	वस्तुएं	पंजीकृत व्यापार चिह्न	कुल फाइल आवेदनों का %
1	उद्योग, विज्ञान, फोटोग्राफी, कृषि, बागबानी, वानिकी, खाद आदि में उपयोग में लाए जाने वाले रासायनिक पदार्थ	827	1.86
2	पेंट और वार्निश	320	0.72
3	सुगंधित पदार्थ, अंगराग आदि	1298	2.93

4	औद्योगिक तेल और विकनाइयाँ (खाद्य तेल के अलावा) आदि	302	0.68
5	औषधीय, भेषजीय, पशु चिकित्सीय और आरोग्यकारक पदार्थ आदि	7015	15.81
6	अन-रॉट और अंशत: रॉट सामान्य धातु एवं उनके मिश्र धातु आदि	807	1.82
7	मशीन और मशीनी औजार, मोटरें, आदि	1260	2.84
8	हाथ से काम करने के औजार और उपकरण आदि	242	0.55
9	वैज्ञानिक, नाविक, सर्वे, विद्युत उपकरण आदि	2156	4.86
10	शल्यिक, औषधीय, दंत और पशुचिकित्सा उपकरण और यंत्र आदि	574	1.29
11	प्रकाशन साधित्र, तापक आदि	952	2.15
12	वाहन और उनके पुर्जे, यंत्र, भूमि पर, व्योम में अथवा जल पर चलने के यंत्र आदि	650	1.47
13	अग्न्यास्त्र, गोला बारूद और क्षेपित्र आदि	119	0.27
14	बहुमूल्य धातु और उनकी मिश्र धातु आदि	592	1.13
15	संगीत के यंत्र (बोलने वाली मशीन और वायरलेस उपकरण के अतिरिक्त)	117	0.26
16	कागज और कागज की वस्तुएं, लेखन सामग्री, छपी सामग्री आदि	1333	3.00
17	गट्टा पर्चा, भारतीय रबर आदि	565	1.27
18	चमड़े और कृत्रिम चमड़े से बनी वस्तुएं आदि	433	0.98
19	भवन निर्माण सामग्रियां आदि	881	1.99
20	फर्नीचर, आईने आदि	458	1.03
21	छोटे घरेलू बर्तन आदि	515	1.16
22	रस्सी, सुतली आदि	174	0.39
23	सूत और धागे	170	0.38
24	टिशू (खंडित वस्तुएं) आदि	709	1.60
25	बूट, जुते और स्लीपर सहित पहनने की वस्तुएं	1805	4.07
26	गोटा और कसीदा, फीता और चोटी आदि	191	0.43
27	गलीचे, लोई, चटाइयां आदि	134	0.30
28	खेल और खेलने की चीजें आदि	289	0.65
29	मांस, मछली, मुर्गी पालन आदि	823	1.86
30	कॉफी, चाय, कोको आदि	1730	3.90
31	कृषि, बागवानी और वन्य उत्पाद और अनाज जो अन्य वर्गों के अंतर्गत नहीं है	873	1.97

32	बीयर, एल और पोर्ट, खनिज और वातित जल और अन्य अमद्यसारिक पेय जो अन्य वर्गों के अंतर्गत नहीं है	807	1.82
33	वाइन, स्प्रिट और मद्य पेय	322	0.73
34	तम्बाकू, कच्चा या निर्मित, धूम्रपान करने वालों के लिए चीजें, दियासलाइयाँ	430	0.97
35	विज्ञापन, कारोबार प्रबन्ध, कारोबार प्रशासन, कार्यालय कृत्य	3091	6.97
36	बीमा, वित्तीय कार्य; आर्थिक कार्य, सम्पदा कार्य	1118	2.52
37	भवन निर्माण; मरम्मत; संस्थापन सेवाएं	1070	2.41
38	दूरसंचार	638	1.44
39	यातायात, माल की पैकिंग और भंडारण; यात्रा इंतजाम	634	1.43
40	सामग्री का उपचार	263	0.59
41	शिक्षा,प्रशिक्षण देना, मनोरंजन; क्रीड़ा और सांस्कृतिक क्रियाकलाप	2290	5.16
42	वैज्ञानिक और तकनीकी सेवाएं तथा उनसे संबंधित शोध और अभिकल्प, औद्योगिक विश्लेषण और शोध सेवाएं, कम्प्यूटर हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर का अभिकल्प और विकास	1701	3.83
43	खाद्य और पेय उपलब्ध कराने हेतु सेवाएं; अस्थायी निवास	970	2.19
44	चिकित्सा सेवाएं ; पशुचिकित्सा सेवाएं; मानव या पशुओं के लिए स्वच्छता और सौन्दर्य देखभाल; कृषि, बागवानी तथा वन्य सेवाएं,	583	1.31
45	विधिक सेवाएं; सम्पत्ति और व्यक्तियों की सुरक्षा हेतु सुरक्षा सेवाएं; व्यक्तियों की आवश्यकता पूर्ति के लिए अन्य लोगों द्वारा प्रदान की जाने वाली व्यक्तिगत और सामाजिक सेवाएं	411	0.93
99	बहु वर्ग	1719	3.88
	कुल	44361	100.00

9. राजस्व और व्यय

विगत वर्ष के रु. 103.53 करोड़ के राजस्व उत्पादन की तुलना में वर्ष 2012-13 के दौरान व्यापार चिह्न रजिस्ट्री ने रु.110.45 करोड़ का राजस्व अर्जित किया।

इस वर्ष रु. 8.92 करोड़ का परिव्यय हुआ जबकि पिछले वर्ष के दौरान रु. 8.10 करोड़ व्यय हुए थे।

पिछले 5 वर्षों का राजस्व और परिव्यय विवरण इस प्रकार है-

क्रम संख्या	वर्ष	राजस्व (रुपए करोड़ में)	व्यय (रुपए करोड़ में)
1.	2008-09	69.15	6.91
2.	2009-10	71.60	4.61
3.	2010-11	86.15	6.98
4.	2011-12	103.53	8.10
5.	**2012-13**	**110.45**	**8.92**

परिशिष्ट- I

पिछले 5 वर्षों में व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति

	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13
दाखिल	1,30,172	1,41,943	1,79,317	1,83,588	**1,94,216**
परीक्षित	1,05,219	25,875	2,05,065	1,16,263	**2,02,385**
पंजीकृत	1,02,257	54,814	1,15,472	51,735	**44,361**

पिछले 5 वर्षों में व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति की ग्राफीय प्रस्तुति

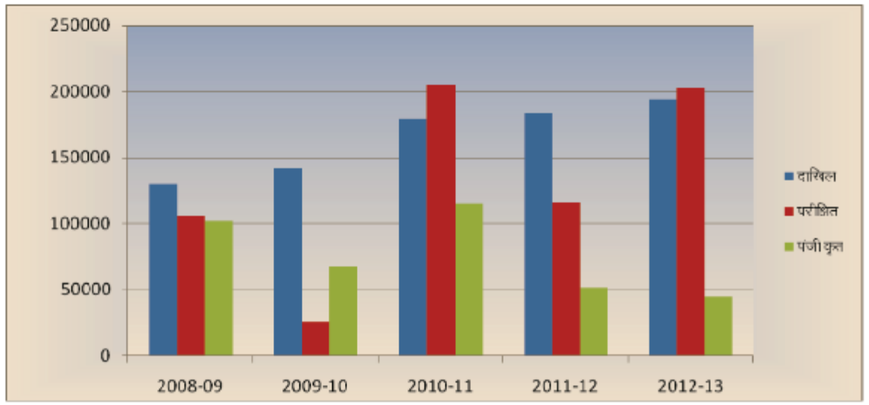

परिशिष्ट- II

पिछले पाँच वर्षों में विज्ञापित व्यापार चिह्नों की संख्या

क्रम संख्या	वर्ष	जर्नल में विज्ञापित व्यापार चिह्नों की संख्या
1.	2012-13	74,871
2.	2011-12	44,770
3.	2010-11	1,24,250
4.	2009-10	85,724
5.	2008-09	1,02,234

पिछले पाँच वर्षों में विज्ञापित व्यापार चिह्नों की संख्या की ग्राफीय प्रस्तुति

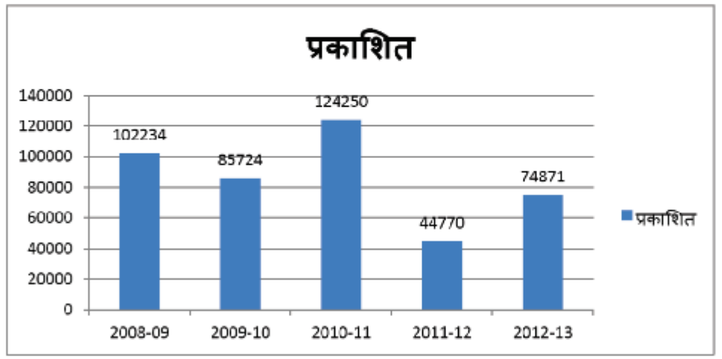

परिशिष्ट- III

1 अप्रैल 2012 से 31 मार्च 2013 तक विभिन्न कार्यालयों में दाखिल विरोध/परिशोधन और उनके निष्पादन का विवरण

क्रम संख्या	व्यापार चिह्न रजिस्ट्री शाखा	दाखिल विरोध/परिशोधन	निष्पादित विरोध/परिशोधन
1.	मुम्बई	3240	1716
2.	कोलकाता	996	1136
3.	चेन्नई	2633	1520
4.	दिल्ली	4414	2278
5.	अहमदाबाद	1818	1187
	कुल	13,101	7,837

परिशिष्ट- IV

पिछले पाँच वर्षों में पंजीकृत व्यापार चिह्न

क्रम संख्या	वर्ष	पंजीकृत व्यापार चिह्नों की संख्या
1.	2008-09	1,02,257
2.	2009-10	54,814
3.	2010-11	1,15,472
4.	2011-12	51,735
5.	2012-13	44,361
	कुल	**3,68,639**

पिछले पाँच वर्षों में पंजीकृत व्यापार चिह्न की ग्राफीय प्रस्तुति

पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या

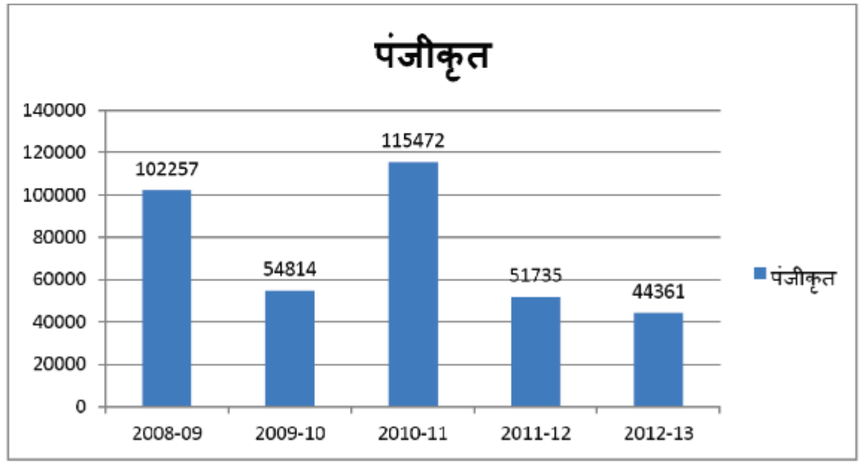

अध्याय - VII

भौगोलिक उपदर्शन

परिचय

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री एक वैधानिक संस्था है जिसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य वस्तुओं से संबंधित भौगोलिक उपदर्शन के पंजीकरण और बेहतर संरक्षा प्रदान करना है। भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री वस्तुओं के भौगोलिक उपदर्शन (पंजीकरण एवं संरक्षा) अधिनियम, 1999 का प्रशासन करता है जो 15 सितम्बर, 2003 से प्रवृत्त हुआ। भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री चेन्नई में स्थित है।

रजिस्ट्री ने 15 सितम्बर, 2003 से पंजीकरण हेतु भौगोलिक उपदर्शन आवेदन ग्रहण करना प्रारंभ किया। रजिस्ट्री ने 31 मार्च, 2013 तक कुल 404 भौगोलिक उपदर्शन आवेदन प्राप्त किए हैं।

रजिस्ट्री ने मई 2009 से भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन भी प्राप्त करने प्रारंभ किए हैं। वित्तीय वर्ष 2012-13 के दौरान रजिस्ट्री ने कुल 1440 भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन प्राप्त किए हैं।

15 सितम्बर, 2003 से अब तक कुल 193 (एक सौ तिरानवे) भौगोलिक उपदर्शन (जीआई) पंजीकृत किए गए हैं। कुल 223 भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं।

रजिस्ट्री भारतीय भौगोलिक उपदर्शन के पंजीकरण को बढ़ावा देने के लिए देश के विभिन्न भागों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करती रही है। चाय, कॉफी, मसाले, कृषि और बागवानी उत्पाद, हस्तकरघा उत्पाद, हस्तशिल्प, वस्त्र, संसाधित खाद्य वस्तुएँ, दुग्ध उत्पाद, प्राकृतिक वस्तुएँ, स्पिरिट एवं शराब क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान 21 भौगोलिक उपदर्शन पंजीकृत किए गए तथा 107 प्राधिकृत उपयोक्ताओं को प्रमाण पत्र अनुदानित किए गए।

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री, चेन्नई

31 मार्च 2013 तक भौगोलिक उपदर्शन आवेदन की स्थिति	
दाखिल भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों की कुल संख्या	404
विज्ञापित भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों की कुल संख्या	200
पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों की कुल संख्या	193

31 मार्च, 2013 तक भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों का विवरण

पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन आवेदन	193
परीक्षण पूर्व अवस्था में भौगोलिक उपदर्शन आवेदन	140
परीक्षण की अवस्था में भौगोलिक उपदर्शन आवेदन	48
एकीकृत भौगोलिक उपदर्शन आवेदन	12
प्रत्याहरित/परित्यक्त भौगोलिक उपदर्शन आवेदन	7
विज्ञापित भौगोलिक उपदर्शन आवेदन	0
विरोध/कारण बताओं सुनवाई के लिए भौगोलिक उपदर्शन आवेदन	1
अस्वीकृत भौगोलिक उपदर्शन आवेदन	3

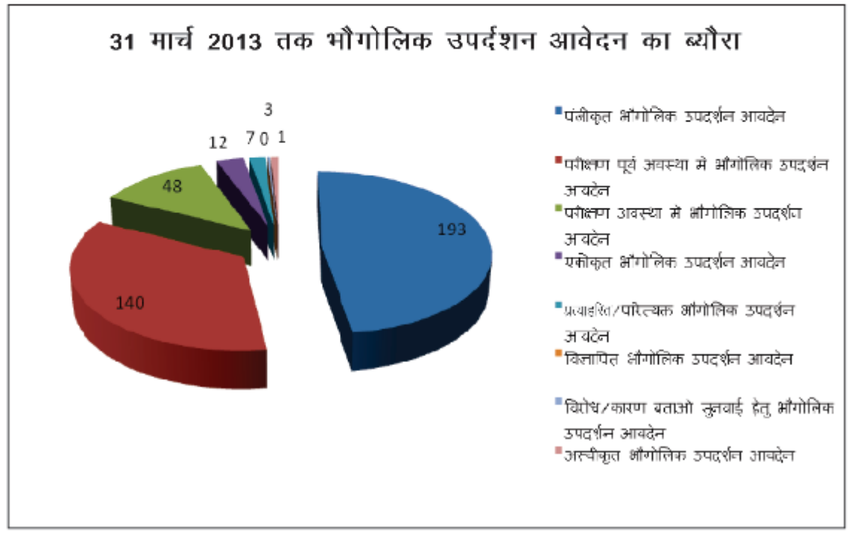

31 मार्च 2013 तक दाखिल किए गए भौगोलिक उपदर्शन आवेदन का वर्षवार विवरण

वर्ष	आवेदनों की संख्या
2003-04	6
2004-05	29
2005-06	16
2006-07	33
2007-08	37
2008-09	44
2009-10	40
2010-11	27
2011-12	148
2012-13	24

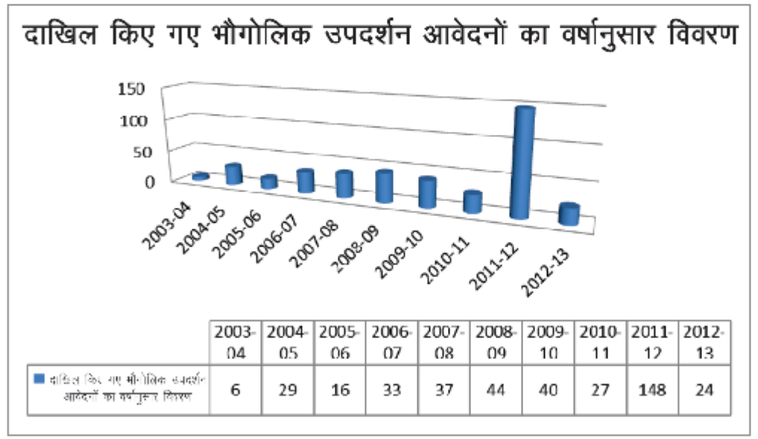

31 मार्च, 2013 तक भौगोलिक उपदर्शन अधिनियम, 1999 की धारा 2(च) के अनुसार वस्तुओं के पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन का विवरण

भौगोलिक उपदर्शन अधिनियम,1999 की धारा 2(च) के अनुसार वस्तुएँ	पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन आवेदन
हस्तकला	128
कृषि	44
विनिर्मित	16
खाद्य पदार्थ	5
कुल	**193**

31 मार्च, 2013 तक वस्तुओं के पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन का विवरण

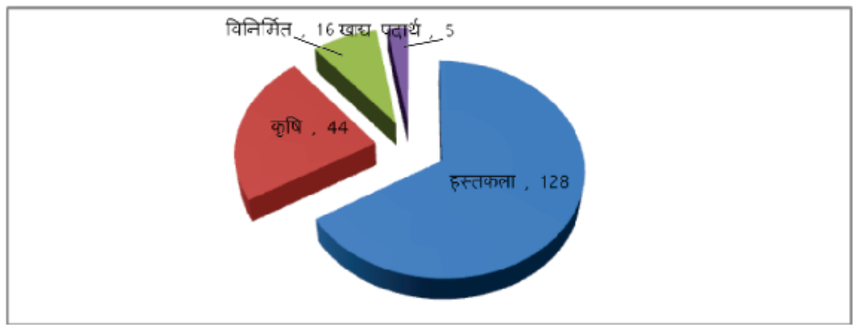

अप्रैल 2012 से 31 मार्च 2013 तक अनुदानित भौगोलिक उपदर्शन

1. 197 महेश्वर साड़ी एवं फैब्रिक्स हस्तकला मध्य प्रदेश
2. 207 ढालापत्थर पर्दा एवं फैब्रिक्स हस्तकला उड़ीसा
3. 208 सम्बलपुरी बंधा साड़ी एवं फैब्रिक्स हस्तकला उड़ीसा
4. 217 बोम्कै साड़ी एवं फैब्रिक्स हस्तकला उड़ीसा
5. 219 हबसपुरी साड़ी एवं फैब्रिक्स हस्तकला उड़ीसा
6. 220 बरहमपुर पट्टा (फोडा कुम्भा) साड़ी एवं जोड़ा हस्तकला उड़ीसा
7. 180 भागलपुर सिल्क हस्तकला बिहार
8. 198 मंगल गिरि साड़ी एवं फैब्रिक्स हस्तकला आंध्र प्रदेश
9. 238 मदूरै मली कृषि तमिलनाडु
10. 243 टकीला मैन्युफैक्चर्ड मैक्सिको
11. 195 पट्टमदई पाई (पट्टमदई मैट) हस्तकला तमिलनाडु
12. 196 नचियरकोयल कुथुविलकु (नचियरकोयल (लैम्प) हस्तकला तमिलनाडु
13. 200 चेट्टिनॉड कॉटन हस्तकला तमिलनाडु
14. 214 नारायणपेट हस्करघा साड़ी हस्तकला आंध्र प्रदेश
15. 135 टोडा इम्ब्रोडरी हस्तकला तमिलनाडु
16. 209 थंजावुर विनैइ हस्तकला तमिलनाडु
17. 211 बंगलोर ब्लू ग्रेप्स कृषि कर्नाटक
18. 233 आगरा दरी हस्तकला उत्तर प्रदेश
19. 234 फरूखाबाद प्रिन्ट्स हस्तकला उत्तर प्रदेश
20. 236 लखनऊ जर्दोजी हस्तकला उत्तर प्रदेश
21. 237 बनारस ब्रोकेड्स एवं साड़ी (लोगो) हस्तकला उत्तर प्रदेश

राज्य / देश	उत्पादों की संख्या
कर्नाटक	32
तमिलनाडु	24
आंध्र प्रदेश	22
केरल	20
उड़ीसा	14
उत्तर प्रदेश	9
पश्चिम बंगाल	9
गुजरात	8
राजस्थान	8
महाराष्ट्र	7
जम्मु एवं कश्मीर	6
मध्य प्रदेश	5
बिहार	5
छतीसगढ़	4
हिमाचल प्रदेश	4
असम	2
पाण्डिचेरी	2
फ्रांस	2
पुर्तगाल	2
गोवा	1
नागालैंड	1
पंजाब	1
इटली	1
पेरू	1
मैक्सिको	1
यूनाइटेड किंगडम	1
संयुक्त राज्य अमेरिका	1
कुल	193

31 मार्च 2013 तक पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन राज्यवार

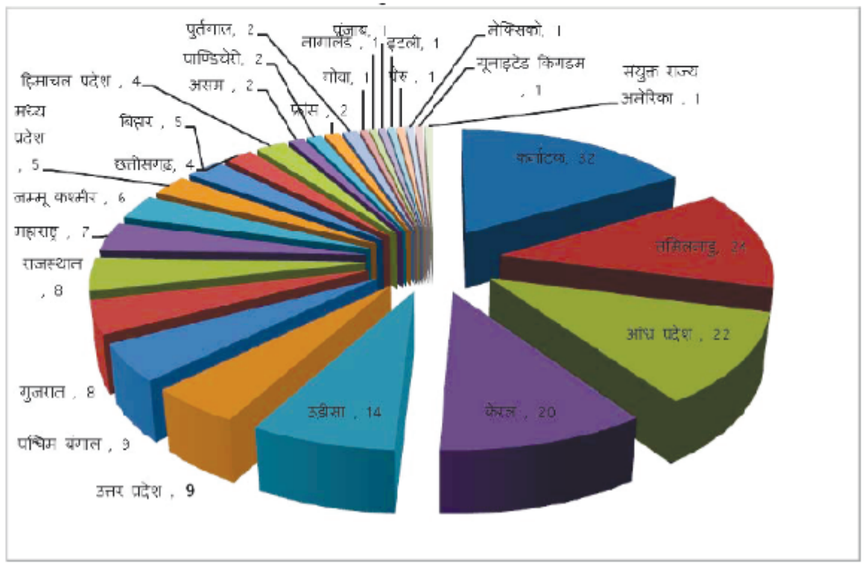

31 मार्च 2013 तक दाखिल भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों का वर्षवार विवरण

वर्ष	आवेदन की संख्या
2003-04	0
2004-05	0
2005-06	0
2006-07	0
2007-08	0
2008-09	0
2009-10	101
2010-11	124
2011-12	145
2012-13	**1070**

31 मार्च 2013 तक दाखिल भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों का वर्षवार विवरण

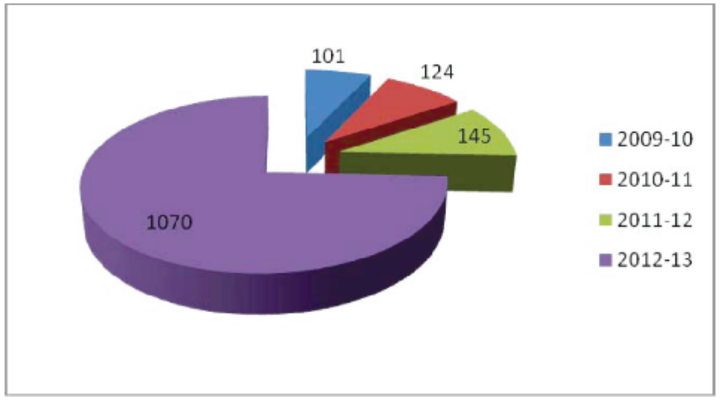

भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन की स्थिति

पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की संख्या	223
भौगोलिक उप्दर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों के परीक्षण की संख्या	70
भौगोलिक उप्दर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों के पूर्व-परीक्षण की संख्या	1146
विज्ञापित भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की संख्या	0
भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की कुल संख्या	1440

31 मार्च, 2013 तक भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री द्वारा संचालित भौगोलिक उपदर्शन सूक्ष्मग्राही कार्यशाला

वर्ष	भौ॰उ॰रजिस्ट्री द्वारा भौगोलिक उपदर्शन सूक्ष्मग्राही कार्यशाला
2001 - 02	4
2002 -03	1
2003 -04	6
2004 - 05	9
2005 -06	4
2006 - 07	10
2007 - 08	8
2008 - 09	11
2009 -10	1
2010 - 11	12
2011 -12	15
2012 -13	**15**

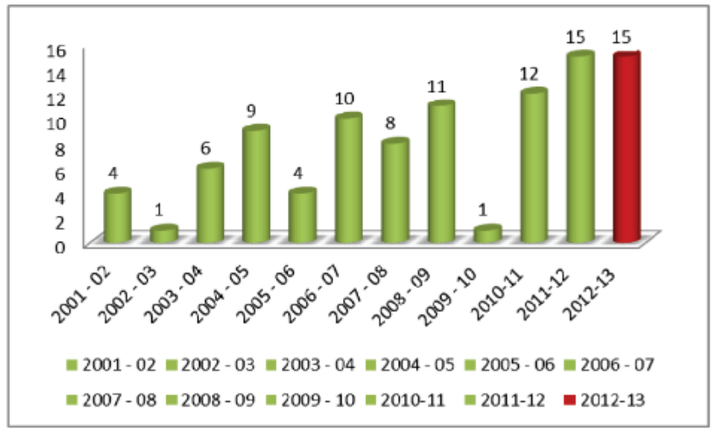

वर्ष 2012-13 के लिए भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के मासिक परिव्यय का विवरण (गैर-योजना)(रु.)

महीना	वेतन	परिवहन भत्ता	कार्यालय व्यय	कुल परिव्यय (गैर-योजना)
अप्रैल	140,204.00	29,946.00	216,170.00	386,320.00
मई	38,668.00	60,427.00	328,539.00	427,634.00
जून	38,830.00	शून्य	58,577.00	97,407.00
जुलाई	39,702.00	27,000.00	110,356.00	177,058.00
अगस्त	48,518.00	15,983.00	247,306.00	311,807.00
सितम्बर	40,898.00	54,910.00	263,973.00	359,781.00
अक्टूबर	57,216.00	85,406.00	419,225.00	561,847.00
नवम्बर	41,437.00	63,616.00	166,212.00	271,265.00
दिसम्बर	102,883.00	64,299.00	426,131.00	593,313.00
जनवरी, 2013	142,450.00	33,886.00	576,440.00	752,776.00
फरवरी, 2013	141,308.00	106,804.00	930,440.00	1,178,552.00
मार्च, 2013		58,568.00	424,327.00	482,895.00
कुल परिव्यय				**56,00,655.00**
एकीकृत बजट आबंटन रु. 56,00,000/-				**56,00,000.00**
शेष राशि				**655.00**

वर्ष 2012-13 के लिए भौगोलिक उपदर्शन शुल्क का राजस्व विवरण

मासिक राजस्व विवरण	
महीना 2012-2013	(रु.)
अप्रैल	15,290.00
मई	29,600.00
जून	15,530.00
जुलाई	4,500.00
अगस्त	24,640.00
सितम्बर	1,700.00
अक्टूबर	32,300.00
नवम्बर	59,180.00
दिसम्बर	29,610.00
जनवरी	91,500.00
फरवरी	4,30,400.00
मार्च	1,43,500.00
कुल	**8,77,750.00**

अध्याय - VIII

एकस्व सूचना पद्धति व राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (आरजीएनआईआईपीएम)

उद्घाटन:

राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (आरजीएनआईआईपीएम) के शैक्षणिक खंड हेतु नवनिर्मित भवन का उद्घाटन दिनांक 21 जुलाई 2012 को श्री आनन्द शर्मा, माननीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा वस्त्र मंत्री द्वारा महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री श्री पृथ्वीराज चव्हाण एवं श्री मुकुल वासनिक, माननीय सामाजिक न्याय और सशक्तीकरण मंत्री की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। उद्घाटन समारोह के दौरान माननीय मंत्री महोदय ने इस संस्थान का नामांकरण *राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (आरजीएनआईआईपीएम)* के रूप में किया। इस संस्थान की स्थापना बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के क्षेत्र में प्रशिक्षण, प्रबंधन, शोध और शिक्षण हेतु उच्च कोटि के राष्ट्रीय केन्द्र के रूप में की गई है। यह संस्थान उपयोक्ता समुदायों को बुनियादी शिक्षा उपलब्ध कराने के अलावा एकस्व एवं अभिकल्प परीक्षकों, व्यापार चिह्न एवं भौगोलिक संकेत परीक्षकों, बौद्धिक सम्पदा व्यवसाइयों, देश के बौद्धिक सम्पद प्रबंधकों को प्रशिक्षण देने की आवश्यकता की पूर्ति करता है। यह संस्थान सरकार के लिए उपयुक्त अध्ययन प्रतिवेदन एवं नीति विश्लेषण बनाने सहित बौद्धिक सम्पदा से संबंधित मामलों पर शोध भी सुलभ कराता है।

भारत सरकार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा अगस्त 2002 में बौद्धिक सम्पदा प्रशिक्षण संस्थान, नागपुर की स्थापना की गई। देश में अपनी तरह का अकेला, राष्ट्रीय प्रशिक्षण केन्द्र का गठन विभिन्न उपयोक्ता समूहों के बौद्धिक सम्पदा अधिकारों से संबंधित गुणता सम्पन्न प्रशिक्षण और शिक्षण उपलब्ध कराने की आवश्यकता की पूर्ति के लिए किया गया ताकि उन्हें बौद्धिक सम्पदा प्रणाली के विकास के लिए सक्षम बनाया जा सके।

राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (आरजीएनआईआईपीएम) और एकस्व सूचना पद्धति (पीआईएस) दोनों भारत सरकार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीन कार्य करते हैं और नागपुर में स्थित एक ही भवन में अवस्थित हैं।

उद्देश्य:

राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान का मुख्य उद्देश्य बौद्धिक सम्पदा के विकास, सृजन, उपयोग, दोहन और बौद्धिक सम्पदा प्रणाली के जारी रहने में सहायता करना है।

आरजीएनआईआईपीएम, राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित रखने के साथ-साथ बौद्धिक सम्पदा (आईपी) पद्धति को आवश्यकताओं की पूर्ति भी करता है जो वैश्विक नियमों के अनुसार हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम:

बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने के अतिरिक्त इस संस्थान ने एकस्व तथा अन्य बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रणालियों के वास्तविक और संभावित उपयोक्ताओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बौद्धिक सम्पदा अधिकार अर्थात् एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न विषयक कई प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए। इन कार्यक्रमों से उद्योग जगत से जुड़े व्यवसायी, विधि-वृत्तिक तथा संभावित एकस्व /बौद्धिक सम्पदा अधिकार अभिकर्ता, अनुसंधान से जुड़े वैज्ञानिक/तकनीकी/अनुसंधान एवं विकास संगठन, उद्योगों के प्रबंधक एवं टेक्नोक्रेट्स, लघु तथा मध्यम व्यवसायी, विश्वविद्यालय वृत्तिक, केन्द्र तथा राज्य सरकार/अन्य सरकारी क्षेत्रों में कार्य करने वाले लोग, अन्य आविष्कारक तथा रूचि रखने वाले आम लोग लाभान्वित होते हैं।

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान नवनियुक्त परीक्षक, एकस्व व अभिकल्प के लिए त्रैमासिक आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दो बैच संचालित किए गए जिससे कि उन्हें एकस्व एवं अभिकल्प के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया जा सके। पाठ्यक्रम विशद् रुप से बनाया गया था और बौद्धिक सम्पदा अधिकारियों एवं बौद्धिक सम्पदा के क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों के समूह से संकाय के सदस्य लिए गए थे। विश्व बौद्धिक सम्पदा संगठन (वायपो) ने भी पीसीटी प्रक्रिया आदि जैसे विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय विषयों पर परीक्षकों को प्रशिक्षण देने के लिए विदेशी संकाय सदस्य की व्यवस्था करने में सहायता की।

परीक्षकों को मुख्यत: मॉड्यूल अनुसार विकसित निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम के आधार पर प्रशिक्षण दिया गया:

मॉड्यूल	विषय
मॉड्यूल-1	बौद्धिक सम्पदा अधिकार का परिचय
मॉड्यूल-2	एकस्व एवं सम्बद्ध संदर्भ
मॉड्यूल-3	प्रशासनिक एवं सेवा मामले
मॉड्यूल-4	एकस्व प्रारूपन करना, फाइल करना आरै परीक्षण प्रस्तावना
मॉड्यूल-5	आविष्कार, एकस्व योग्यता, खोज प्राधिकारी तथा परीक्षण प्राधिकारी
मॉड्यूल-6	एकस्व आवेदनों का परीक्षण और अभियोजन
मॉड्यूल-7	अतिलंघन, विरोध, निरसन और अपील
मॉड्यूल-8	प्रारूपन करने तथा फाइल करने हेतु आकलन

आरजीएनआईआईपीएम के उद्घाटन की कुछ तस्वीरें :

1. शैक्षणिक खंड के भवन का सम्मुख दृश्य

2. महानियंत्रक महोदय प्रशिक्षणार्थियों का परिचय माननीय मंत्री महोदय से कराते हुए

3. माननीय मंत्री महोदय उद्घाटन शिला का अनावरण करते हुए

4. उद्घाटन रिबन काटकर संस्थान का उद्घाटन करते हुए माननीय मंत्री महोदय

5. दीप प्रज्वलन

6. सूचना पुस्तिका का विमोचन

7. एक प्रशिक्षणार्थी को प्रशिक्षण किट प्रदान कर प्रशिक्षण का शुभारंभ

8. महानियंत्रक महोदय द्वारा धन्यवाद ज्ञापन

जन जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम:

परीक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 2012-13 में बौद्धिक सम्पदा अधिकार पर कई जन प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए गए। इन कार्यक्रमों के दौरान अच्छी जन प्रतिक्रिया देखी गई और संस्थान ने उत्साहवर्धक फीडबैक प्राप्त किया।

राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान ने वर्ष के दौरान 10 कार्यक्रम संचालित किए जिनमें दो दिवसीय अवधि के 3 कार्यक्रम और 7 जन जागरूकता कार्यक्रम हैं। प्रतिवेदन अवधि के दौरान जन प्रशिक्षण कार्यक्रम से रु. 1,40,000/- का राजस्व अर्जित किया गया।

संकाय के सदस्य:

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए संकाय सदस्य के रूप में भारतीय एकस्व कार्यालयों तथा व्यापार चिह्न रजिस्ट्री और अग्रणी एकस्व न्यायवादी, प्रोफेसर आदि सहित देश के सुख्यात संगठनों से बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के विशेषज्ञ भी होते हैं।

वर्ष 2002-2013 के दौरान संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण

वर्ष	प्रशिक्षण कार्यक्रम की अवधि				कुल
	1 दिवसीय	2 दिवसीय	3 दिवसीय	5 दिवसीय	
2002-2003	7	2	--	1	10
2003-2004	1	4	--	2	07
2004-2005	5	4	4	5	18
2005-2006	--	--	--	--	--
2006 2007	5		2	2	09
2007-2008	1	4	2	2	09
2008-2009	7	11	--	7	25
2009-2010	5	14	--	4	23
2010-2011	1+5 (जागरूकता कार्यक्रम)	11	---	2	19
2011-2012	5	12	---	4	21
2012-2013	7 जागरूकता कार्यक्रम * 2 कार्यक्रम 3 महीने अवधि के	3	----	----	12*

विगत तीन वर्षों के दौरान अर्जित राजस्व तथा परिव्यय का विवरण (पीआईएस और आरजीएनआईआईपीएम)

वर्ष	परिव्यय (रू में)	राजस्व (रू में)
2010-2011	15,87,236/-	4,73,600/-
2011-2012	38,14,081/-	6,43,000/-
2012-2013	2,36,63,384/-	1,45,712/-

राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान में प्रशिक्षण के दौरान समाहित विषय के विवरण

भारत की एकस्व प्रणाली [2-दिवसीय]

बौद्धिक सम्पदा अधिकार, एकस्व योग्य होने के मापदंड, एकस्व आवेदन दाखिल करने की प्रक्रिया, परीक्षण प्रक्रिया का परिचय, निरसन, प्रत्यावर्तन, अतिलंघन, एकस्व सूचना एवं शोध का परिचय।

एकस्व दस्तावेज/विनिर्देश/प्रारूपन तैयार करना [2-दिवसीय]

बौद्धिक सम्पदा अधिकार, एकस्व योग्य होने के मापदंड, एकस्व आवेदन दाखिल करने की प्रक्रिया, अनंतिम एवं पूर्ण विनिर्देश, एकस्व विनिर्देश का लेख, दावे और विनिर्देश के प्रारूपन का महत्व।

भारत में एकस्व प्रणाली में उन्नत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम [5-दिवसीय]

एकस्व प्रणाली का इतिहास, बौद्धिक सम्पदा अधिकार का परिचय, एकस्व योग्य होने के मापदंड, एकस्व आवेदन दाखिल करने की प्रक्रिया, प्रकाशन, अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य एवं दाखिल करने की प्रक्रिया, एकस्व विनिर्देश का लेख, दावे, एकस्व विनिर्देश का प्रारूपन, आपत्ति, अतिलंघन, अनिवार्य लाइसेंसिंग एवं प्रौद्योगिकी, एकस्व सूचना एवं अन्वेषण।

बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रबंधन [2-दिवसीय]

भारत में बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रबंधन का संक्षिप्त परिचय, अंतर्राष्ट्रीय सूचना हस्तांतरण की समीक्षा, बौद्धिक सम्पदा लाईसेंसिंग।

व्यापार चिह्न का प्रसंस्करण [1-दिवसीय]

बौद्धिक सम्पदा अधिकार का परिचय, व्यापार चिह्न क्या है, व्यापार चिह्न की पंजीकरण प्रक्रिया, लाईसेंसिंग तथा व्यापार चिह्न का विरोध।

अभिकल्प [1-दिवसीय]

बौद्धिक सम्पदा अधिकार का परिचय, औद्योगिक अभिकल्प की संरक्षा की आवश्यकता, अभिकल्प के पंजीकरण हेतु महत्त्वपूर्ण आवश्यकताएं, औद्योगिक अभिकल्प अधिनियम द्वारा जो संरक्षित नहीं है, अभिकल्प के पंजीकरण हेतु अवधि और शुल्क।

एकस्व सूचना पद्धति, नागपुर

परिचय:

भारत सरकार ने 1980 में नागपुर में एकस्व सूचना पद्धति कार्यालय की स्थापना की जिसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं :

- विश्व स्तर पर एकस्व विनिर्देशों और एकस्व से संबंधित साहित्य का विशद् संकलन प्राप्त करना और रखना ताकि अनुसंधान एवं शोध संस्थानों, सरकारी संगठनों, उद्योगों, व्यवसायी उद्यमों, आविष्कारकों और भारत के अन्य उपयोक्ताओं की प्रौद्योगिकीय सूचना की आवश्यकता को पूरा किया जा सके।

- अन्वेषण सेवा एवं एकस्व प्रति आपूर्ति सेवा के माध्यम से एकस्व में निहित प्रौद्योगिकीय सूचना उपलब्ध कराना

एकस्व सूचना प्राप्ति और प्रसार के लिए एकस्व अभिलेखों के आधार पर पीआईएस उपयोक्ताओं की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। पीआईएस डाक द्वारा सेवा प्रदान करने के लिए डाक शुल्क सहित उपयुक्त शुल्क का भुगतान करने पर एकस्व सूचना सेवा प्रदान करता है। यह भुगतान एक प्रोफार्मा इनव्यॉस पर किया जा सकता है।

एकस्व सूचना पद्धति विश्व स्तर पर एकस्व विनिर्देशों और एकस्व से संबंधित साहित्य का विशद् संकलन रखता है एवं अन्वेषण सेवा एवं एकस्व प्रति आपूर्ति सेवा के माध्यम से भारत में बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के विभिन्न उपयोक्ताओं को एकस्व या एकस्व से सम्बद्ध साहित्य में निहित जानकारी उपलब्ध कराता है।

एकस्व सूचना पद्धति, नागपुर की सेवाएँ

क. एकस्व अन्वेषण सेवाएँ

आविष्कार और सृजन के लिए एकस्व अभिलेखों में निहित तकनीकी सूचना तक पहुँच एकस्व प्रणाली के उपयोग को बढ़ावा देने का प्रमुख कारक है। एकस्व सूचना सेवा प्रदान करने के लिए एकस्व सूचना पद्धति ने माँगें जाने पर विभिन्न सशुल्क एकस्व सेवाओं की शुरूआत की एवं अद्यतनीकरण किया। संक्षेप में अन्वेषण सेवाएँ निम्नलिखित हैं:

1. आधुनिकीकृत सेवा

कार्यालय में उपलब्ध एकस्व दस्तावेज और ऑनलाइन निःशुल्क एकस्व डाटाबेस के आधार पर किसी विशिष्ट प्रौद्योगिकीय क्षेत्र में आधुनिकीकृत आधार पर रिपोर्ट, ऐसा अनुरोध प्राप्त होने पर, प्रदान करना। यह सेवा आधुनिकीकृत सेवा का पूर्वावलोकन प्रदान करती है। यह खोज रिपोर्ट उपयोक्ता के अनुरोध के अनुसार तकनीक के किसी क्षेत्र-विशेष के तहत अन्वेषण से प्राप्त एकस्व दस्तावेज के सार तथा संदर्भगत आँकड़े प्रदान करता है।

2. संदर्भगत अन्वेषण

यह सेवा अन्वेषण से प्राप्त एकस्व दस्तावेज के केवल संदर्भगत आँकड़े उपलब्ध कराती है। संदर्भगत अवयवों में प्रकाशन संख्या और तारीख, प्राथमिकता संख्या (संख्याएँ) और तारीख (तारीखें), आवेदन संख्या और तारीख, अंतर्राष्ट्रीय एकस्व वर्गीकरण, आवेदक का नाम, आविष्कारक का नाम, शीर्षक, सार शामिल हैं।

3. अंग्रेजी समरूपी एकस्व अन्वेषण

प्रकाशित एकस्व आवेदनों और अनुदानित एकस्व के समरूपी एकस्व दस्तावेज पर सूचना प्रदान करना। अंग्रेजी भाषा के अतिरिक्त अन्य भाषाओं के एकस्व के लिए अंग्रेजी भाषा समरूप एकस्व का निर्धारण किया जाता है।

वार्षिक प्रतिवेदन 2012-2013

4. एकस्व परिवार अन्वेषण

एकस्व परिवार सेवा, एकस्व परिवार के सभी सदस्यों के संदर्भगत आँकड़ों के साथ समान प्राथिकता का दावा करने वाले एकस्व की पूर्ण सूची उपलब्ध कराता है। अनेक प्राथिकता दावा वाले एकस्व स्वयमेव शामिल किये जाते हैं। किसी एकस्व के परिवार के सदस्य के संदर्भगत विवरण वर्णित किए जाते हैं।

5. सहायक अन्वेषण

उपयोक्ताओं को अन्वेषण संचालित करने के लिए एकस्व सूचना पद्धति, नागपुर द्वारा खरीदे गए डाटाबेस, सीडीरोम, जर्नल आदि का उपयोग करने की अनुमति होती है। कार्य निष्पादन अन्वेषण में सामान्य सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

ख. एकस्व प्रति आपूर्ति सेवा

1. एकस्व सूचना पद्धति, नागपुर इस कार्यालय में उपलब्ध विदेशों के एकस्व दस्तावेजों का पूर्ण पाठ रू. 300/- प्रति एकस्व दस्तावेज (चाहे पृष्ठों की संख्या कितनी भी हो) की दर से उपलब्ध कराता है।

2. भारतीय एकस्व विनिर्देश की छाया प्रति रू. 30/- प्रति भारतीय एकस्व दस्तावेज की दर से उपलब्ध कराई जाती है।

परिशिष्ट-I

प्रदत्त सेवाओं की शुल्क संरचना:

प्रदत्त सेवाएं	शुल्क
आधुनिकीकृत सेवा	रू. 2000+20 प्रति वर्णित एकस्व का सार
संदर्भगत अन्वेषण अंग्रेजी समरूपी एकस्व अन्वेषण	रू. 500+5 प्रति वर्णित दस्तावेज रू. 50/- एक अंग्रेजी भाषा समरूपी एकस्व ज्ञात करने के लिए
एकस्व परिवार अन्वेषण	रू. 50/- प्रति परिवार सदस्य
सहायक अन्वेषण	रू. 250/- प्रति घंटे उपयोग की गई सुविधा के लिए
एकस्व प्रति आपूर्ति सेवा (भारतीय एकस्व)	भारतीय एकस्व की छाया प्रतियां @ रू. 30/-
एकस्व प्रति आपूर्ति सेवा (विदेशी एकस्व)	स्वयं के पास उपलब्ध विदेशी एकस्व की प्रति रू.300/- प्रति एकस्व
सार/दावे की प्रति	एकस्व के सार/मुख्य दावे की प्रति रू.25/-प्रति सार/मुख्य दावा

अध्याय - VIII : एकस्व सूचना पद्धति व राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (आरजीएनआईआईपीएम)

परिशिष्ट-II

एकस्व सूचना पद्धति/राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रशिक्षण प्रबंधन संस्थान, नागपुर

निम्न प्रदत्त विवरण 1 अप्रैल 2012 से 31 मार्च 2013 तक की अवधि के लिए एकस्व सूचना पद्धति/राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक प्रबंधन संस्थान, नागपुर के परिव्यय विवरण और कार्य निष्पादन का कथन प्रदर्शित करते हैं।

क्र.सं.	गतिविधियाँ	राशि (रु.)
1.	वास्तविक व्यय	
	(क) पीआईएस-गैर योजना	रू. 1,42,99,180/-
	(ख) आरजीएनआईआईपीएम-गैर योजना	रू. 48,36,436/-
	वास्तविक व्यय	
	(क) आरजीएनआईआईपीएम-(योजना) (राजस्व शीर्ष)	रू. 40,25,356/-
	(ख) आरजीएनआईआईपीएम-(योजना, (पूंजी)	रू. 5,02,412/-
2.	राजस्व	
	(क) पीआईएस	रू. 5,712/-
	(ख) आरजीएनआईआईपीएम	रू. 1,40,000/-
क्र.सं.	**गतिविधियाँ**	**संख्या**
1.	एकस्व प्रतियों की आपूर्ति	0
2.	विभिन्न प्रकार के एकस्व अन्वेषण	1
3.	आरजीएनआईआईपीएम प्रशिक्षण कार्यक्रमों/एकस्व सूचना पद्धति, नागपुर के संदर्भ में चलाए गए सूचना एवं जनसंपर्क कार्य	256
4.	आरजीएनआईआईपीएम प्रशिक्षण कार्यक्रमों हेतु पाठ्य सामग्री की तैयारी केस अध्ययन सहित	2000
5.	संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	त्रैमासिक परीक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम-02 कार्यक्रम दो दिवसीय-03 कार्यक्रम जागरूगता-07कार्यक्रम कुल - 12 कार्यक्रम

सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 (2012-2013 के दौरान)

प्राप्त मामलों की संख्या	निस्तारित मामलों की संख्या
10	10

अध्याय -IX

प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं बर्हि-क्रियाकलाप

1. परिचय

भारत सरकार ने बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों के लिए क्षमता सृजन तथा मानव संसाधन विकास हेतु महत्वपूर्ण पहल किए हैं। एकस्व तथा व्यापार चिह्न परीक्षकों एवं अन्य अधिशासियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी आयोजित किए गए हैं।

भारत सरकार ने आम जनता के साथ-साथ शोध व विकास संस्थानों, वैज्ञानिक संस्थानों एवं विश्वविद्यालय के लिए संपर्क कार्यक्रम संचालित करने की दिशा में भी पहल की है। बौद्धिक सम्पदा कार्यालय के अधिकारी वायपो, विश्वविद्यालयों, टीआईएफएसी, एनआरडीसी, फिक्की, सीआईआई, एसोचेम, एनआईडी आदि जैसे औद्योगिक संगठनों द्वारा संचालित जागरूकता कार्यक्रमों में संसाधन व्यक्ति के रूप में नियमित भाग लेते रहे हैं।

2. प्रशिक्षण कार्यक्रम

वर्ष 2012-13 के दौरान कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न के अधिकारियों ने वायपो और विदेशी बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षण, सेमिनार और कार्यशालाओं में प्रतिभागिता की। इन अधिकारियों ने जिन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया उनके वर्णन निम्नवत् है:

कार्यक्रम का नाम	प्रतिभागी अधिकारियों की संख्या
18 से 20 अप्रैल, 2012 तक वियना में ईस्ट नीट्स वेस्ट फोरम और प्री-फोरम प्रशिक्षण	1
एकस्व विधान पर वायपो की स्थायी समिति (एससीपी) का 18वाँ सत्र, 21-25 मई, 2012	2
29 गई से 1 जून, 2012 तक जेनेवा में आयोजित वायपो की पीसीटी वर्किंग ग्रुप का 5वाँ सत्र	2
मई 29-30 को बौद्धिक सम्पदा और पर्यावरणीय वांछित तकनीकों (इएसटीएस) पर वायपो क्षेत्रीय फोरम, इसके पश्चात् 31 मई, 2012 को कोलम्बो, श्रीलंका में इएसटीएस के विकास और ग्रहण के लिए बौद्धिक सम्पदा के उपयोग पर उप क्षेत्रीय समन्वय पर वायपो गोलमेज	1
2 से 6 जुलाई, 2012 तक चिह्नों के अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण हेतु मैड्रिड प्रणाली के वैधानिक विकास पर वायपो वर्किंग ग्रुप का 10वाँ सत्र	1
27 अगस्त, 2012 से 9 नवम्बर, 2012 तक जेपीओ/आईपीआर पेटेंट प्रेक्टिकल & टेलर्ड ट्रेनिंग प्रोग्राम	3

22 से 24 अगस्त, 2012 तक आईपी आस्ट्रेलिया में अध्ययन दौरा	2
3-4 सितम्बर, 2012 तक क्वाला-लम्पूर, मलेशिया में विधायी अर्थव्यवस्था और यूटीलीटी मॉडल सुरक्षा प्रणाली की नीतिगत पहलुओं पर वायपो क्षेत्रीय सेमीनार	1
18 से 21 सितम्बर, 2012 तक व्यापार चिह्न, औद्योगिक अभिकल्प और भौगोलिक उपदर्शन (एससीटी) के कानून पर वायपो की स्थायी समिति का 27वाँ सत्र	1
15 से 26 अक्टूबर, 2012 तक नॉन-ईयू देशों के लिए ओहिम आईपी सेमीनार, 2012	2
टोक्यो, जापान में 22 अक्टूबर से 2 नवम्बर, 2012 तक बौद्धिक सम्पदा के परीक्षण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (इंटरमीडिएट/एडवांस्ड कार्यक्रम)	2
टोक्यो, जापान में 3 से 14 दिसम्बर, 2012 तक औद्योगिक सम्पदा प्रशासन में सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	1
10 से 14 दिसम्बर, 2012 तक जेनेवा में आयोजित एससीटी का 28वाँ सत्र	2
25 से 28 फरवरी, 2013 जेनेवा में एकस्व विधान पर वायपो की स्थायी समिति (एससीपी) का 19वाँ सत्र	1
दक्षिण एशिया क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज (एससीसीआई) के प्रतिनिधिमंडल का अध्ययन दौरा-25 से 27 मार्च, 2013	1

3. जागरूकता कार्यक्रम

बौद्धिक सम्पदा अधिकार के बारे में और अधिक जागरूकता सृजित करने के अपने प्रयास के अंश के रूप में कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न ने 2012-13 के दौरान 19 कार्यक्रम संचालित/वित्त प्रदान किए जिसमें लगभग 1900 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

साथ ही साथ कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न के अधिशासियों ने अन्य संगठनों जैसे वायपो, विश्वविद्यालयों, टीआईएफएसी, एनआरडीसी, फिक्की, सीआईआई, एसोचेम, एनआईडी आदि द्वारा आयोजित 87 जागरूकता कार्यक्रमों में भाग लिया जिसमें लगभग 9000 प्रतिभागी थे।

आरजीएनआईआईपीएम, नागपुर ने नवनियुक्त परीक्षकों के प्रशिक्षण सहित बौद्धिक सम्पदा पर 12 जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं संचालित की जहाँ 750 प्रतिभागी उपस्थित हुए जिन्हें बौद्धिक सम्पदा अधिकार की महत्ता से परिचित कराया गया।

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री ने भारतीय भौगोलिक उपदर्शन के पंजीकरण को बढ़ावा देने के लिए देश भर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। जिन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया वे हैं चाय, कॉफी, चावल, मसाले, तम्बाकू, बागवानी उत्पाद, हस्तकरघा उत्पाद, हस्त शिल्प, वस्त्र, संसाधित खाद्य पदार्थ तथा स्प्रिट एवं वाइन। इस वित्त वर्ष के दौरान रजिस्ट्री कार्यालय द्वारा 15 (पन्द्रह) सूक्ष्मग्राही सेमिनार/कार्यशालाएं संचालित की गई और लगभग 1500 प्रतिभागियों ने इन कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभागिता दी ।

आईपीओ ने जनवरी, 2013 के प्रथम सप्ताह में कोलकाता में आयोजित भारतीय विज्ञान कांग्रेस के शताब्दी वर्ष में भी भाग लिया और आईपी कार्यालयों की गतिविधियों का दृष्टांत प्रस्तुत किया।

अध्याय - X

मानव संसाधन

1.परिचय:

महानियंत्रक बौद्धिक सम्पदा कार्यालय का प्रधान होता है जिसे कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न के नाम से जाना जाता है। महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प तथा व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के अधीक्षण एवं प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत एकस्व कार्यालय, व्यापार चिह्न रजिस्ट्री, भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री, एकस्व सूचना पद्धति एवं राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान अपनी गतिविधियाँ निष्पादित करते हैं। भारत सरकार ने 11वीं योजना के दौरान बढ़े हुए लक्ष्य की प्राप्ति हेतु मानव संसाधन के सुदृढ़ीकरण एवं संवर्द्धन के लिए एकस्व तथा व्यापार चिह्न कार्यालयों के लिए 414 अतिरिक्त पदों की संस्तुति प्रदान की है। इन पदों में से 200 पद एकस्व परीक्षकों तथा 37 पद व्यापार चिह्न परीक्षकों के हैं। इसके साथ ही साथ सरकार ने राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधक संस्थान (आरजीएनआईआईपीएम) के लिए 12 अतिरिक्त पद भी सृजित किए हैं।

परीक्षक, एकस्व व अभिकल्प के रिक्त पदों को भरने के लिए महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प तथा व्यापार चिह्न रजिस्ट्री ने परीक्षक, एकस्व एवं अभिकल्प के पद पर नियुक्ति हेतु परीक्षा संचालित करने के लिए शोध और मूल्यांकन परिषद, वैज्ञानिक और औद्योगिक शोध संस्थान (सीएसआईआर) के साथ एक सहमति की थी। तदनुसार, जनवरी 2011 में 257 एकस्व परीक्षकों की नियुक्ति हेतु एक अखिल भारतीय परीक्षा आयोजित की गई। इन 257 चयनित अभ्यर्थियों में से प्रतिवेदन वर्ष में 164 ने भारतीय एकस्व कार्यालय के विभिन्न स्थानों पर परीक्षक, एकस्व एवं अभिकल्प के पद का कार्यभार गृहण किया। 31.03.2013 तक कुल परीक्षकों की संख्या 201 है जिनमें से 60 गैर योजना के तहत और 141 परीक्षक योजना के तहत हैं।

2. विभिन्न बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों में मानव संसाधन:

क. मुम्बई में स्थित कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न:

कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न मुख्यालय में निम्नलिखित सहायककर्मी हैं। हालाँकि, इस कार्यालय के सहज परिचालन के लिए एकस्व और व्यापार चिह्न कार्यालयों से अधिशासी प्रतिनियुक्त किए गए हैं।

31 मार्च, 2013 तक कार्यालय सीजीपीडीटीएम की गैर योजना के तहत कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र.सं.	पदनाम	अनुमोदित शक्ति	नियोजित शक्ति
1.	महानियंत्रक	1	1
2.	निजी सचिव	1	1
3.	स्टाफ कार ड्राइवर	1	1
4.	मल्टी-टास्किंग स्टाफ	2	1
	कुल	**5**	**4**

ख. एकस्व कार्यालय में मानव संसाधन:

एकस्व कार्यालयों की कार्मिक शक्ति **परिशिष्ट-क** में दर्शायी गई है। यह परिशिष्ट सभी चार कार्यालयों में अनुमोदित कार्य-शक्ति के साथ-साथ नियोजित कार्मिक शक्ति की भी सूचना प्रदान करती है।

ग. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री में मानव संसाधन:

दिनांक 31.03.2013 तक स्वीकृत पद तथा कार्यशील कार्मिक शक्ति का विवरण **परिशिष्ट 'ख'** में दिया गया है।

घ. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री में मानव संसाधन:

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का अपना अलग अनुमोदित मानव संसाधन है। इस कार्यालय में कार्यरत कर्मियों की सूची **परिशिष्ट-ग** में दी गई है।

ङ. एकस्व सूचना पद्धति एवं आरजीएनआईआईपीएम में मानव संसाधन:

एकस्व सूचना पद्धति एवं आरजीएनआईआईपीएम के अधिकारियों एवं कार्मिक शक्ति का विवरण **परिशिष्ट-घ** में दिया गया है।

परिशिष्ट- क

31 मार्च, 2013 को एकस्व कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारियों की कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र. स.	पदनाम	वर्ग	अनुमोदित शक्ति										नियोजित शक्ति									
			कोलकाता		मुम्बई		चेन्नई		दिल्ली		कुल		कोलकाता		मुम्बई		चेन्नई		दिल्ली		कुल	
			गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.
1	वरिष्ठ संयुक्त नियंत्रक, एकस्व एवं अभिकल्प	समूह क	0	0	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
2	संयुक्त नियंत्रक, एकस्व एवं अभिकल्प	समूह क	1	0	0	1	0	0	1	0	2	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
3	उप नियंत्रक, एकस्व एवं अभिकल्प	समूह क	2	2	1	2	1	2	3	2	7	8	2	1	1	2	-	1	3	2	7	6
4	सहायक नियंत्रक, एकस्व एवं अभिकल्प	समूह क	12	4	6	4	4	17	11	16	33	41	12	4	6	4	4	17	11	16	33	41
5	परीक्षक एकस्व एवं अभिकल्प	समूह क	30	29*	27	14*	38	34*	42	64*	137	200*	10	29	08	14	15	34	27	64	60	141
6	हिन्दी अधिकारी	समूह क	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0
7	सिस्टम एनालिस्ट/ कम्प्यूटर प्रोग्रामर	समूह क	--	--	--	--	--	--	--	--	--	2*	--	--	--	--	--	--	--	--	--	0
		कुल:	46	35	34	22	44	53	57	82	181	253	25	34	15	20	20	52	41	82	101	188
1	प्रशासनिक अधिकारी	समूह ख	1	0	1	0	1	0	1	0	4	0	0	0	1	0	-	0	1	0	3	0
2	सहायक पुस्तकालय व सूचना अधिकारी	समूह ख	1	--	--	--	--	--	--	--	1	1*	1	--	--	--	--	--	--	--	1	0
3	लेखा अधिकारी	समूह ख	--	--	--	--	--	--	--	--	--	1*	--	--	--	--	--	--	--	--	--	0
4	जन सूचना अधिकारी	समूह ख	--	--	--	--	--	--	--	--	--	1*	--	--	--	--	--	--	--	--	--	0
		कुल	2	--	1	--	1	--	1	--	5	3*	1	--	1	--	1	--	1	--	4	0

क्र. सं.	पदनाम	वर्ग	अनुमोदित शक्ति										नियोजित शक्ति									
			कोलकाता		मुम्बई		चेन्नई		दिल्ली		कुल		कोलकाता		मुम्बई		चेन्नई		दिल्ली		कुल	
			गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.
1	कार्यालय एवं अधीक्षक	समूह ख	20	-	12	2	10	3	12	2	54	7	19	-	9	-	4	-	11	-	43	-
2	पुस्तकालय एवं सूचना सहायक	समूह ख	1	-	1	-	1	-	2	-	5	-	-	-	1	-	-	-	1	-	2	-
3	आशुलिपिक वर्ग-1	समूह ख	4	-	2	-	2	-	2	-	10	10*	2	-	2	-	2	-	2	-	8	-
4	लेखापाल	समूह ख	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1*	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	क.हिन्दी अनुवादक	समूह ख	1	-	1	-	1	-	1	-	4	-	1	-	-	-	-	-	1	-	2	-
6	फोटोग्राफी सहायक	समूह ग	1	-	1	-	1	-	1	-	4	-	1	-	1	-	1	-	1	-	4	-
7	आशुलिपिक - वर्ग-II	समूह ग	1	-	-	-	-	-	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	1	-
8	प्रवर श्रेणी लिपिक	समूह ग	39	-	4	-	6	-	8	-	57	-	33	-	4	-	6	-	8	-	51	-
9	निम्न श्रेणी लिपिक	समूह ग	18	-	2	-	10	-	14	-	44	-	11	-	1	-	9	-	11	-	32	-
10	हिन्दी टंकक	समूह ग	1	-	-	-	-	-	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	1	-
11	डाटा इंट्री ऑपरेटर	समूह ग	-	-	-	5	-	7	-	8	-	20	-	-	-	5	-	2	-	4	-	11
12	स्वागतकर्ता	समूह ग	-	-	-	-	-	-	-	-	-	2*	-	-	1•	-	-	-	-	-	1	-
13	मल्टी-टास्क स्टाफ	समूह ग	42	-	5	2	10	1	10	4	67	7	36	-	4	2	8	1	6	4	54	7
		कुल	128	-	28	9	41	11	50	14	247	47	105	-	23	7	30	3	41	8	199	18

*पद भरने के उपरान्त पदों का वितरण किया जायेगा।
•एकस्व सूचना पद्धति, नागपुर से अस्थायी स्थानांतरण पर।

परिशिष्ट-ख

31 मार्च 2013 तक व्यापार चिह्न कार्यालय में गैर योजना के तहत कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र. स.	पदनाम समूह "क"	अनुमोदित शक्ति						नियोजित शक्ति					
		मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	संयुक्त पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ. उ.	1	1	-	1	-	3	-	-	-	-	-	0
2	उप पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ. उ.	1	1	1	1	1	5	-	-	-	-	-	1
3	सहायक पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ. उ.	3	1	1	2	2	9	3	-	-	2	2	8
4	वरिष्ठ परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौ. उ.	5	1	1	3	1	11	5	-	0	3	0	9
5	हिन्दी अधिकारी	1	-	-	-	-	1	0	-	-	-	-	0
	कुल	11	4	3	7	4	29	8	3	0	5	2	18

क्र. सं	पदनाम समूह "ख"	अनुमोदित शक्ति						नियोजित शक्ति					
		मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौ.उ.	14	2	3	3	2	24	14	2	3	3	2	24
2	प्रशासनिक अधिकारी	1	-	-	-	-	1	1	-	-	-	-	1
3	सहायक पुस्तकालय व सूचना अधिकारी	1	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	0
4	निजी सचिव	2	-	-	-	-	2	2	-	-	-	-	2
5	जन संपर्क अधिकारी	1	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	0
	कुल	19	2	3	3	2	29	17	2	3	3	2	27

31 मार्च 2013 तक व्यापार चिह्न कार्यालय में योजना के तहत कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र. सं	पदनाम समूह 'क'	अनुमोदित शक्ति						नियोजित शक्ति					
		मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	वरिष्ठ संयुक्त पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ. उ.	1	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	0
2	संयुक्त पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ. उ.	-	-	1	-	-	1	-	-	-	-	-	0
3	उप पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ. उ.	2	1	1	1	-	5	1	-	1	2	-	4
4	सहायक पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ. उ.	2	1	2+1*	3	1	10	-	-	2+1*	-	-	3
5	वरिष्ठ परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौ. उ.	4	1	1+1*	5	1	13	4	-	1	-	-	5
6	विधि अधिकारी	1	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	0
7	प्रोग्रामर/आईटी विशेषज्ञ	-	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	0
	कुल	10	3	7	10	2	32	6	-	5	2	-	12

भौ.उ.रजिस्ट्री के लिए

क्र. सं	पदनाम समूह 'ख'	अनुमोदित शक्ति						नियोजित शक्ति					
		मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौ. उ.	12	4	4+2*	12	3	27@ 37	14@ 10	2@ 0	1@ 0	0 0	1@ 0	18@ 10
2	प्रशासनिक अधिकारी	-	-	-	1	-	1	-	-	-	1	-	1
3	सहायक पुस्तकालय व सूचना अधिकारी	-	-	1	-	-	1	-	-	-	-	-	0
4	निजी सचिव	-	-	1	1	-	2	-	-	1	1	-	2
5	जन संपर्क अधिकारी	-	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	0
	कुल	12	4	8	15	3	42	10	0	1	2	0	13

* भौ.सं.रजिस्ट्री के लिए
@ संविदा के आधार पर परीक्षक, व्यापार चिह्न

परिशिष्ट-ख

31 मार्च 2013 तक व्यापार चिह्न कार्यालय में गैर योजना के तहत कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र. सं	पदनाम समूह 'ख' (अराजपत्रित)	अनुमोदित शक्ति						नियोजित शक्ति					
		मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	कार्यालय अधीक्षक	4	1	-	1	-	6	1	1	-	1	-	3
2	पुस्तकालय व सूचना सहायक	1	-	-	-	-	1	1	-	-	-	-	1
3	आशुलिपिक समूह I	3	2	2	2	-	10	1	-	1	1	-	3
4	सहायक परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौगोलिक उपदर्शन	11	2	2	3	3	21	5	1	1	3	3	13
5	कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक	1	-	-	1	-	2	1	-	-	-	-	1
	कुल	20	5	4	7	4	40	9	2	2	5	3	21

क्र. सं	पदनाम समूह 'ग'	अनुमोदित शक्ति						नियोजित शक्ति					
		मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	सहायक अधीक्षक	6	4	1	-	-	11	6	4	1	-	-	11
2	फोटोग्राफी सहायक	1	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	0
3	रोकड़िया	1	1	1	1	-	4	1	-	-	-	-	1
4	प्रवर श्रेणी लिपिक	26	5	4	4	3	42	18	4	4	2	1	29
5	आशुलिपिक समूह II	-	1	1	1	-	3	-	-	-	1	-	1
6	उच्च श्रेणी लिपिक	19	6	7	2	3	37	11	2	3+2#	1		19
7	हिन्दी टंकक	1	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	0
8	मल्टी-टास्किंग स्टाफ	28	8	8	9	4	57	26	5	8	5	2	46
	कुल	82	25	22	17	10	156	62	15	18	9	3	107

#वर्तमान में भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री में कार्यरत

31 मार्च 2013 तक व्यापार चिह्न कार्यालय में योजना के तहत कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र. सं.	पदनाम समूह 'ख' (अराजपत्रित)	अनुमोदित शक्ति मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	नियोजित शक्ति मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	आशुलिपिक समूह I	1	2	2+1*	3	-	10	1	2	1	-	1	5
2	सहायक परीक्षक व्यापार चिह्न व भौ.उपदर्शन	5	-	1	4	3	13	1	-	-	-	-	1
	कुल	6	2	4	7	4	23	2	2	1	-	1	6

*भौ.उ.रजिस्ट्री के लिए

क्र. सं.	पदनाम समूह 'ग'	अनुमोदित शक्ति मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	नियोजित शक्ति मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	डाटा एन्ट्री ऑपरेटर	-	2	4	4	2	12	-	1	3	3	2	9
2	मल्टी-टास्किंग स्टाफ	-	-	-	1	-	2	-	-	-	1	1	2
	कुल	-	2	4	5	3	14		1	3	4	3	11

परिशिष्ट-ग

31 मार्च 2013 तक भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री में कार्मिक शक्ति का विवरण

गैर योजना के तहत

क्र.सं.	पदनाम	अनुमोदित शक्ति	नियोजित शक्ति
1.	वरिष्ठ संयुक्त पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ.उपदर्शन	1	0
2.	सहायक पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ.उपदर्शन	1	0
3.	वरिष्ठ परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौ.उपदर्शन	1	0
4.	आशुलिपिक समूह-II	1	0
5.	मल्टी-टास्किंग स्टाफ	1	1
	कुल	5	1

अध्याय - X : मानव संसाधन

परिशिष्ट-घ

पीआईएस और आरजीएनआईआईपीएम के अधिकारियों और कार्मिक शक्ति का विवरण

	पद का नाम	अनुमोदित	रिक्त	31.3.2013 तक नियोजित शक्ति
	राजपत्रित			
1.	वरिष्ठ प्रलेखन अधिकारी	2	1	1 वरिष्ठ प्रलेखन अधिकारी का एक पद एक अधिशासी के दिनांक 31.12.2012 को सेवा निवृत्त होने के कारण रिक्त है।
2.	वरिष्ठ प्रोग्रामर	1	1	आईपीओ चेन्नई में स्थानांतरित और 31.8.2012 को सेवा निवृत्त
3.	रिप्रोग्राफी अधिकारी	1	-	1
4.	उप नियंत्रक, एकस्व व अभिकल्प	-		1 (नई दिल्ली से नागपुर स्थानांतरित)
	कुल	4	2	3
	अराजपत्रित			
1	कार्यालय अधीक्षक	1		1
2	वरिष्ठ प्रलेखन सहायक	1		1
3	कनिष्ठ प्रलेखन सहायक	1		1
4	कनिष्ठ रिप्रोग्राफी सहायक	3		3
5	सहायक अधीक्षक	1		1
6	भंडार सहायक	1		1
7	आशुलिपिक	2	1	1 एक आशुलिपिक 28.02.2013 को सेवानिवृत्त
8	कनिष्ठ हिंदी अनुवादक	1		1 11.02.2013 से कार्यरत
9	शेल्फ सहायक	1		1
10	प्रवर श्रेणी लिपिक	3		3
11	स्वागतकर्त्ता	1		-- (आईपीओ, मुम्बइं में स्थानांतरित)
12	डाटा एन्ट्री ऑपरेटर	2		2
13	हिंदी टंकक	1		1
14	अवर श्रेणी लिपिक	3		3
15	एमटीएस	6		6
	कुल	28		26
	कुल [राजपत्रित और अराजपत्रित]	32	1	29